CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-47
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 25 मई 2024

आज का विचार

जैसे सूर्योदय होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएं शांत हो जाती है।

सिंगल कॉलम

लोकसभा चुनाव के छठे चरण की 58 सीटों के लिए मतदान आज

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांच चरण के मतदान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वहीं छठे चरण के चुनाव का प्रचार गुरुवार शाम समाप्त हो गया। छठे दौर में आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों के लिए 25 मई को वोटिंग होनी है। इन प्रदेशों से कुल 889 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। छठे चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 15 है। जिन उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर है उनमें मेनका गांधी, मनोहर लाल खट्टर, महबूबा मुफ्ती, राज बब्बर, दिनेश लाल निरहुआ, धर्मेंद्र यादव, मनोज तिवारी समेत कई हाई-प्रोफाइल चेहरे शामिल हैं। इनके साथ ही धर्मेंद्र प्रधान, राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर जैसे मंत्रियों की किस्मत भी शनिवार को ईवीएम में कैद हो जाएगी। इस चरण में मनोज तिवारी, मेनका गांधी, नवीन जिंदल, बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा, राज बब्बर, निरहुआ भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के छठे फेज में 889 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 797 पुरुष और 92 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी हरियाणा के कुरुक्षेत्र सीट से भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल हैं। उनके पास 1241 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 543 लोकसभा सीटों में पांचवे फेज तक 429 सीटों पर मतदान हो गया है। 25 मई तक कुल 487 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। आखिरी और सातवें फेज में 56 सीटों पर वोटिंग होगी।

11 जून को मुंबई पहुंचेगा मानसून मौसम विभाग ने दी जानकारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर जारी है। लोग बारिश और मानसून का इंतजार कर रहे हैं, ताकि गर्मी से थोड़ी राहत मिले। केरल में इस महीने के आखिरी में मानसून की एंट्री हो सकती है और उसके बाद अन्य राज्यों की ओर मानसून बढ़ सकता है। इस बीच, मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के लोगों को खुशखबरी देते हुए बताया है कि महाराष्ट्र में 9-10 जून के आसपास मानसून पुणे शहर से दस्तक दे सकता है। इसके अलावा, मुंबई में 11 जून को मानसून के पहुंचने की संभावना है। केरल में बारिश की गतिविधियां पहले सप्ताह के अंत और दूसरे सप्ताह की शुरुआत में बढ़ने की संभावना है। 31 मई के आसपास केरल में मानसून की शुरुआत होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने मौसम बुलेटिन में कहा कि कुल मिलाकर, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में बारिश की गतिविधि सामान्य से ऊपर मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य के करीब और उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम रहने की संभावना है।केरल में लगभग सामान्य मानसून की शुरुआत और अरब सागर या बंगाल की खाड़ी के ऊपर प्रत्याशित चक्रवातों की अनुपस्थिति मुंबई में मानसून की बारिश समय पर शुरू होने के लिए अनुकूल स्थिति बना रही है। मॉनसून अंडमान में प्रवेश कर चुका है और 10 से 11 जून के बीच इसके मुंबई पहुंचने की उम्मीद है।

मई में 18 वर्षों में सर्वाधिक तेजी से बढ़ा रोजगार

नई दिल्ली। कारोबारी गतिविधियों में मई में वृद्धि से सेवा क्षेत्र में अच्छी बढ़त दिखी है। इससे रोजगार क्षेत्र में 18 वर्षों यानी सितंबर, 2006 के बाद से निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन में सबसे तेज सुधार हुआ है। निर्यात भी रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, मई में एचएसबीसी का इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई 61.7 पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक, लगातार 34वें महीने पीएमआई सूचकांक 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर रहने का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और उससे नीचे का मतलब कमजोरी है। साथ ही, कारोबारी गतिविधियां चार महीने के शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अप्रैल की अंतिम रीडिंग 61.5 से इस महीने थोड़ा बढ़कर 61.7 हो गया। इससे संकेत मिलता है कि आने वाले समय में गतिविधियों में तेजी बनी रहेगी। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, मई में समग्र पीएमआई करीब 14 वर्षों में तीसरी बार सबसे मजबूत रफ्तार से बढ़ा है। सितंबर 2014 में श्रृंखला की शुरूआत के बाद से कुल निर्यात सबसे तेज दर से बढ़ा है। यह दूसरी बार है जब निर्यात वृद्धि ने इस साल एक नई ऊंचाई तय की है। इससे आने वाले 12 महीनों के लिए कारोबारी आत्मविश्वास बढ़ा है।

चारधाम यात्रा में अब तक 52 लोगों की मौत, केदारनाथ में सबसे ज्यादा मौतें

देहरादून। चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बदरीनाथ में 14, केदारनाथ में 23, गंगोत्री में 03 और यमुनोत्री में 12 श्रद्धालुओं की जान गई है। केदारनाथ में बीते 10 वर्ष में 350 यात्रियों की मौत हो चुकी है, जिसका प्रमुख कारण सीने में दर्द, बेचैनी और दिल का दौरा पड़ना रहा है।

छठे चरण में 58 सीटों पर वोटिंग जारी

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में 8 राज्यों की 58 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हो रहा है। इसके बाद 1 जून को आखिरी चरण के साथ ही वोटिंग का क्रम सम्पन्न हो जाएगा। इसके बाद देश को 4 जून को इंतजार रहेगा, जब मतगणना होगी। लोकसभा चुनाव का यह छठा चरण भाजपा के लिए अहम है। 2019 में इस 58 सीटों में से कांग्रेस एक पर भी जीत दर्ज नहीं कर पाई थी, जबकि भाजपा ने 40 सीट जीती थी। इस रिकॉर्ड को बनाए रखना भाजपा के लिए चुनौती होगी। इस चरण में दिल्ली और हरियाणा की सभी सीटों पर मतदान सम्पन्न हो जाएगा।

सोनिया-राहुल के साथ ही वाड्रा परिवार ने किया मतदान, लेकिन कांग्रेस को नहीं दिया वोट, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया मतदान

इस बार यहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की पार्टी जहां 4 सीट पर लड़ रही है, वहीं कांग्रेस ने 3 सीट से संतोष कर लिया है।सोनिया गांधी और राहुल गांधी सुबह करीब 9.30 बजे मतदान करने पहुंचे। यह पहला मौका है जब गांधी परिवार ने गैर कांग्रेसी उम्मीदवार को वोट किया है। इसी तरह प्रियंका वाड्रा और उनके बच्चों ने भी इसी सीट पर मतदान किया। दरअसल, गांधी परिवार के ये तीनों सदस्य (सोनिया, राहुल और प्रियंका वाड्रा) जिस नई दिल्ली सीट से मतदाता हैं, वो इस बार आम आदमी पार्टी के खाते में गई है। नेहरू-गांधी परिवार के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब कोई सदस्य कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल के लिए मतदान करेगा। दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं। पिछली बार भाजपा ने सभी सात सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के मतदान हो रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मतदान किया। वोट डालने के बाद अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए। राष्ट्रपति मुर्मू।

छठे चरण का मतदान जारी, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने डाला वोट, धरने पर बैठीं महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली। सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में 25 मई को आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की कुल 58 सीटों पर मतदान है। छठे चरण में 889 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इस चरण में बिहार की आठ, हरियाणा की सभी दस, झारखंड की चार, दिल?ली की सभी सात, ओडिशा की छह, उत्तर प्रदेश की 14, पश्चिम बंगाल की आठ और जम?मू-कश?मीर की एक सीट पर वोटिंग है। मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक है। जम्मू कश्मीर की अनंतनाग में आज मतदान हो रहा है।

एमपी पुलिस अब यूपी का फॉर्मूला अपनाए: मध्यप्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव नाराज, पुलिस अफसरों की लगाई क्लास

सड़कों पर पूजन-नमाज बर्दाश्त नहीं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर काफी नाराज हैं। उन्होंने ने लॉ एंड ऑर्डर के लिए सख्त रुख अपना लिया है। सीएम ने शुक्रवार को मंत्रालय में कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश के पुलिस महकमे की बड़ी बैठक ली। दो टूक शब्दों में कहा कि पहले जो चल रहा था, वह अब नहीं चलेगा। व्यवस्था न सुधरी तो अफसरों को हटा दिया जाएगा।

सीएम ने डेढ़ घंटे डीजीपी सुधीर सक्सेना सहित, एडीजी इंटेलिजेंस, सीआईडी, प्लानिंग शाखा के तमाम अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कहीं भी सड़क पर पूजन करने या नमाज पढ़े जाने की खबर नहीं आनी चाहिए। ?यदि ऐसा हुआ तो संबंधित जिले के एसपी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने कहा कि लाउड स्पीकर पर अभियान और तेज किया जाए। रजिस्टर्ड अपराधियों पर कानूनी कार्रवाई हो। इसके लिए मध्यप्रदेश पुलिस अब उत्तरप्रदेश का फॉर्मूला अपनाए।

दंगे की स्थिति वाले इलाकों में पुलिस का मूवमेंट बढ़ाया जाए: सीएम ने डीजीपी सुधीर सक्सेना से कहा कि प्रदेश की संकरी और अंधी गलियों में पुलिस फोर्स नहीं पहुंच पाती है। लिहाजा, ऐसे क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि पुलिस उन गलियों में भी आसानी से पहुंचकर अपराधियों की धरपकड़ कर सके। सीएम डॉ. यादव ने यह भी निर्देश दिए कि ?राज्य के जिन शहरों और इलाकों में पिछले 10 वर्षों में कर्फ्यू अथवा दंगे की स्थिति बनी है तो उसे सूचीबद्ध करें। ऐसे इलाकों में पुलिस का मूवमेंट बढ़ाया जाए, ताकि अपराधियों में भी डर का माहौल हो।

पुलिस की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: बैठक के दौरान सीएम ने तीन से चार बार यूपी फॉर्मूले की बात कही। अप्रत्यक्ष रूप से उनका यही कहना था कि जिस तरह यूपी में अपराधियों पर लगाम कसने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है, वैसी ही अब मध्यप्रदेश में होनी चाहिए। पुलिस महकमे की किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धार्मिक स्थल पर ही पूजन-नमाज का कार्यक्रम होना चाहिए। सड़कों पर इस तरह के कार्यक्रम नहीं हो। पुलिस की जिम्मेदारी है कि लोगों को असुविधा वाले मामलों में सख्ती बरतें। इस तरह के मामले में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस फील्ड में दिखनी चाहिए, और इसके लिए मुख्यालय के अफसरों को भी फील्ड में निकलना होगा। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, प्रमुख सचिव गृह संजय दुबे, डीजीपी सुधीर सक्सेना समेत अन्य अफसर मौजूद थे।

बढ़ रहे हैं साइबर क्राइम के मामले: मुख्यमंत्री ने कहा कि बदमाशों की जमानत निरस्त कराने की कार्यवाही पुलिस करें। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा- साइबर क्राइम के मामले बढ़ रहे हैं, इससे लोगों को राहत दिलाने के लिए पुलिस अमले को आवश्यक प्रशिक्षण देने का काम भी किया जाए। साथ ही ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थों का उपयोग रोकने के लिए इसकी सप्लाई और इससे जुड़े कारोबारियों पर कार्यवाही की जाए।

खुले में मांस की बिक्री पर भी नियंत्रण हो: मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग पर रोक का कड़ाई से पालन किया जाए। इस संबंध में जनजागरण के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं, रोक पर कोई समझौता नहीं होगा। खुले में मांस की बिक्री पर भी नजर और डीजे पर भी नियंत्रण हों।

15 साल के लड़के को पोप ने दी संत की उपाधि

मरने के बाद किए दो चमत्कार

लंदन। लंदन में पैदा हुए एक 15 साल के किशोर को मरणोपरांत संत की उपाधि मिलने वाली है। पोप फ्रांसिस ने यह फैसला लिया है। इसके साथ ही ऐसा पहली बार होगा, जब कैथोलिक चर्च की ओर से इस उम्र के किसी व्यक्ति को संत की उपाधि दी जाएगी। 15 साल के कार्लो एक्युटिस की मौत 2006 में कैंसर से हो गई थी, लेकिन उसने इतनी ही आयु में कई ऐसी वेबसाइट्स डिवेलप की थीं, जिनसे ईसाइयत का प्रचार करने में मदद मिली थी। इसके अलावा कार्लो एक्युटिस को कुछ चमत्कारों के लिए भी श्रेय दिया जाता है। कार्लो एक्युटिस को गॉड्स एन्फ्लुएंसर यानी ईश्वर का प्रभाव बढ़ाने वाले के तौर पर भी जाना जाता है। इसके अलावा कार्लो का एक उपनाम इंटरनेट का संत भी है। अल्पायु में ही मौत से पहले कार्लो एक्युटिस ने ईसाइयत के ऑनलाइन प्रचार के लिए काफी मेहनत की थी। कार्लो एक्युटिस के शव को इटली के असिसि शहर में रखा गया है। कार्लो के शव को नाइकी की जींस और स्वेटशर्ट पहनाकर रखा गया है। कार्लो का जन्म ब्रिटेन में हुआ था और उसकी मां इटली मूल की थी। इसके अलाव उसके पिता इटली मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं। वह ब्रिटेन में एक मर्चेंट बैंकर के तौर पर काम करते थे।

इन दो चमत्कारों के लिए संत की उपाधि

संत की उपाधि के लिए कार्लो एक्युटिस के मरणोपरांत दो चमत्कारों को भी क्रेडिट दिया जा रहा है। कार्लो का शव जब शीशे के बॉक्स में रखा था, तब कोस्टा रिका की रहने वाली एक महिला की मां आई थी। उसने कार्लो के शव के सामने प्रार्थना की थी और एक नोट छोड़कर गई थी। यह 2022 की बात है और उसके बाद उसी दिन से बेटी ने अच्छे से सांस लेना शुरू किया। फिर 10 दिनों के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। महिला की बेटी ब्रेन हैमरेज की शिकार थी, लेकिन वह ठीक हो गई और दिमाग से खून की ब्लीडिंग भी बंद हो गई। इसके अलावा गंभीर रूप से बीमार एक बच्चे को बचाने के चमत्कार का क्रेडिट भी कार्लो को दिया जाता है।

एक साल में 11 करोड़ पर्यटक आए मप्र, उज्जैन में 5.28 करोड़

भोपाल। देश का दिल कहलाने वाले मध्यप्रदेश में एक साल में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। यह एक रिकॉर्ड बन गया है। प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों, गौरवशाली इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य, विविध वन्यजीव एवं आध्यात्मिक अनुभव के लिए मध्य प्रदेश ने साल 2023 में 11 करोड़ से ज्यादा पर्यटकों का स्वागत किया। जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक मध्य प्रदेश में 11 करोड़ 21 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 1 लाख 83 हजार रही। 2019 में कोविड प्रतिबंध लागू होने से पहले कुल 8,90,35,097 पर्यटकों का आगमन हुआ था। 2022 में पर्यटकों की संख्या 3,41,38,757 रही थी। प्रदेश में सबसे ज्यादा पर्यटक उज्जैन पहुंचे, जिनकी संख्या 5 करोड़ 28 लाख से ज्यादा रही।

बता दें कि 24 मई को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम का स्थापना दिवस था। इसी दिन को मध्यप्रदेश पर्यटन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस मौके पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक मप्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटकों की रिकॉर्ड वृद्धि प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक पर्यटन में वृद्धि के साथ ही हमारी अनूठी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और सभी आगंतुकों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के हमारे ठोस एवं समर्पित प्रयासों का प्रमाण है।

धार्मिक स्थलों के विकास से ओर बढ़ेगी संख्या: प्रदेश के सर्वश्रेष्ट 10 स्थानों में से पांच गंतव्य धार्मिक स्थल उज्जैन, मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर और सलकनपुर हैं। प्रमुख सचिव शुक्ला के अनुसार कई लोग धार्मिक स्थलों पर जाकर मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

प्रदेश के टॉप-10 पर्यटन केंद्रों पर पहुंचे इतने लोग

उज्जैन- 52841802
मैहर- 16849000
इंदौर- 10119030
चित्रकूट- 9001126
ओंकारेश्वर- 3475000
जबलपुर- 2669869
सलकनपुर- 2565000
नर्मदापुरम- 2283837
रायसेन- 2137058
भोपाल- 1950965

सिंगल कॉलम

पानी की टंकी निर्माण के लिए एमआईसी सदस्य ने कुलपति को दी चेतावनी

इंदौर। पानी की टंकी निर्माण को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन और एमआईसी सदस्य मनीष मामा आमने-सामने हो गए हैं। एमआईसी सदस्य ने आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कुलपति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टंकी निर्माण के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन के द्वारा अनुमति नहीं देने और काम रोकने की बात कही गई है। पार्षद और एमआईसी सदस्य मनीष मामा ने बताया कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति मनमानी पर अड़ी हुई है। दरअसल वर्ष 2021 तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वार्ड क्रमांक 64 में 30 लाख लीटर पानी की टंकी के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की थी। पार्षद शर्मा ने आरोप लगाया कि 13 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत से बनने वाली पानी की टंकी की शासन से स्वीकृति के बाद भी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति रेणु जैन टंकी निर्माण के लिए खण्डवा रोड स्थित यूनिवर्सिटी परिसर में निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दे रही हैं। जिसके कारण वार्ड क्रमांक 64 की लगभग 32 कॉलोनी व रहवासी क्षेत्र नागरिक पानी के परेशान हो रहे हैं। शर्मा का कहना है कि पत्राचार के माध्यम से लगातार कुलपति से टंकी निर्माण कार्य की अनुमति प्रदान करने का निवेदन कर चुके हैं, बावजूद इसके अब तक कुलपति की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है। इसके चलते तीन दिन में कुलपति की तरफ से अनुमति नहीं देने पर टंकी निर्माण स्थल पर आमरण अनशन करने की चेतावनी उन्होंने दी है।

इंदौर से जोधपुर के लिए निकली बस में नीमच के पास लगी आग

इंदौर। इंदौर से जोधपुर के लिए निकली बस में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे नीमच के पास आग लग गई। घटना में किसी यात्री को नुकसान नहीं हुआ लेकिन बस पूरी तरह से जल गई। बस में 25 से अधिक यात्री सवार थे। दरअसल, इंदौर से एमआर ट्रेवल्स की बस रात 11 बजे जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। वह करीब ढाई बजे नीमच से 15 किमी पहले खरकिया खाल के पास से गुजर रही थी, तभी अचानक बस में धुआं दिखाई देने पर चालक ने बस को रोका और यात्रियों को उतारा। इसके चलते कोई यात्री तो आग की चपेट में नहीं आया, लेकिन घटना के चलते यात्री अपना सामान नहीं उतार सके। उनका सामान जलकर खाक हो गया।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल गई थी। बस में इंदौर के भी कई यात्री थे, जबकि कुछ नीमच और जोधपुर के थे।

देवी अहिल्या के 299 वें जन्मोत्सव के रूप में मनेगा इंदौर का स्थापना दिवस

इंदौर। देवी अहिल्या का 299 वां जन्मोत्सव इंदौर में धूमधाम से मनेगा। 25 मई से 31 मई तक शहर में विभिन्न आयोजन होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इसकी कमान संभाल रखी है। 31 मई को अभय प्रशाल में होने वाले आयोजन में शंकराचार्य स्वामी ज्ञाननंद तीर्थ,महामंडलेश्वर किरणदास साबू महाराज, आरएसएस के सहकार्यवाह कृष्णगोपाल, राष्ट्रीय सेविका समिति की संचालिका शांता अक्का, सोनल मानसिंह आदि शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता निवेदिता भिड़े रहेगी। इसके अलावा शहर के ख्यात गायक गौतम काले देवी अहिल्या पर केंद्रित संगीतमय प्रस्तुती देंगे।

उदय राव होलकर व माला सिंह ने बताया कि देवी अहिल्या से जुड़े आयोजन शहर में वर्षभर होंगे। इसमें अनेक कायार्शालाएं, सेमिनार, नाट्य स्पर्धा शामिल है। इसके अलावा एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी होगा।

देवी अहिल्या ने देशभर में घाट, धर्मशाला, मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया है। उन स्थानों पर भी आयोजन कराए जाएंगे। उधर देवी अहिल्या जन्मोत्सव समिति द्वारा 28 मई को शाम को जाल सभागृह में देवी अहिल्या नगर गौरव सम्मान उद्योगपति विनोद अग्रवाल को दिया जाएगा।समिति सरंक्षक उषा ठाकुर ने बताया कि 29 मई को वीआईपी परस्पर नगर में गणेश मतकर द्वारा लिखित महानाट्य की प्रस्तुति इंदौर के कलाकारों द्वारा दी जाएगी। 31 मई को अहिल्या प्रतिमा पर शाम आठ बजे ढोलक दल अपनी प्रस्तुती देंगे। समिति वर्ष भर खेलकूद स्पर्धा, भक्ति संगीत, वेषभूषा स्पर्धा का आयोजन करती है। उनके प्रतिभागियों व विजेता कलाकारों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

एमपीपीएससी प्री 2023 के दो गलत सवाल जवाब के मामले में हाईकोर्ट का स्टे

सिटी चीफ इंदौर।
मप्र हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के आर्डर में एमपीपीएससी प्री 2023 के दो सवालों को गलत माना गया था। इसमें एक सवाल डिलीट कर सभी को दो अंक देने और एक के जवाब को सुधार करके उसके अंक देने के आदेश दिए गए थे। अब मप्र हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के ऑर्डर पर शुक्रवार को स्टे हो गया। सिंगल बेंच का आर्डर बुधवार को जारी हुआ था। पीएससी ने गुरुवार को अवकाश के दिन रिट अपील दायर की, शुक्रवार को मेंशन लिया और दो मिनट की सुनवाई के बाद ही सिंगल बेंच के आर्डर पर स्टे हो गया। सुनवाई चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्र की डबल बेंच में हुई। अंशुल तिवारी इस केस में उम्मीदवारों के अधिवक्ता हैं। उन्होंने इस मामले में कोर्ट से समय मांगा क्योंकि याचिका तेजी से लगी। उन्होंने कहा कि सोमवार तक का समय दें। इस पर चीफ जस्टिस ने समय देने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिंगल बेंच के आर्डर पर स्टे कर दिया। आने वाले दिनों में अब इस मामले में सुनवाई होगी और फिर फैसला होगा।

राज्य वन सेवा परीक्षा 2023 मामले मे भी स्टे

हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के आर्डर में प्री 2023 के दो सवालों को गलत माना था, इसमें एक सवाल डिलीट कर सभी को दो अंक देने और एक के जवाब को सुधार कर उसके अंक देने के आदेश दिए थे। साथ ही कहा था कि राज्य वन सेवा परीक्षा 2023 का प्री का रिजल्ट फिर जारी कर मेन्स ली जाए, लेकिन अब इन सभी बातों पर स्टे हो गया है। यदि स्टे लंबा चला तो फिर ऐसे में पीएससी 30 जून को राज्य वन सेवा मेन्स कराने के लिए भी स्वतंत्र रहेगा और यह परीक्षा तय समय पर होगी। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने राज्य वन सेवा की मुख्य परीक्षा के लिए नई मेरिट लिस्ट जारी करने के निर्देश दिए थे। यह परीक्षा 30 जून से होना है। यहां बता दें कि राज्य वन सेवा की मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को पीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

पीएससी के इन सवाल-जवाब पर थी आपत्ति

हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 16 मई, 2024 को पीएससी-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के एक प्रश्न (प्रेस की स्वतंत्रता) को गलत मानते हुए उसे डिलीट करने के निर्देश दिए थे। वहीं एक अन्य प्रश्न (कबड्डी संघ का मुख्यालय) का पीएससी द्वारा दिए गए उत्तर दिल्ली को गलत माना था। कोर्ट ने इसके उत्तर जयपुर को सही करार दिया था। डिलीट किए गए प्रश्न के अंक सभी अभ्यर्थियों को देने कहा था। वहीं दूसरे प्रश्न का उत्तर जिन्होंने जयपुर दिया है, उन्हें उसके अंक देने कहा था। हालांकि कोर्ट ने इसके पहले सिविल सेवा की 11 मार्च को आयोजित मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी थी।

तीन विवादित प्रश्नों को चुनौती

पीएससी उम्मीदवार की ओर से अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पीएससी-प्री परीक्षा में पूछे गए सवालों में से कुछ प्रश्न ऐसे थे, जिन पर आपत्ति पेश की गई थी। इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग जगहों से 19 याचिकाएं मुख्यपीठ में दायर की गई थीं। भोपाल के अभ्यर्थी आनंद यादव ने राज्य सेवा परीक्षा-2023 के प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए तीन विवादित प्रश्नों को चुनौती दी थी। फ्रीडम आफ प्रेस से जुड़ा सवाल, ग्रीन मफलर किस प्रदूषण से संबंधित है, एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन का हेडक्वार्टर से जुड़े सवालों पर आपत्ति पेश की गई थी। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया था कि चूंकि यह जनहित याचिका नहीं है। लिहाजा, उन्हीं उम्मीदवारों के प्रकरणों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने आपत्ति पेश की है और याचिका दायर की है।

इंदौर के पितृ पर्वत की तर्ज पर हर शहर में डेवलप होंगे सिटी फॉरेस्ट

`सिटी चीफ इंदौर।
मध्यप्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद को एक नया प्रोजेक्ट मिलने वाला है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में जिस प्रकार इंदौर शहर में पितृ पर्वत डेवलप किया गया है ठीक उसी प्रकार का सिटी फॉरेस्ट डेवलपमेंट मध्यप्रदेश के प्रत्येक शहरी क्षेत्र में किया जाएगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में इस पर काम किया जाएगा।

मध्यप्रदेश सिटी फॉरेस्ट डेवलपमेंट प्लान के तहत प्रत्येक शहर में किसी ऐसे इलाके को चिन्हित किया जाएगा जो पहाड़ी पर है और इसके आसपास बड़ी मात्रा में खुली जमीन है। यहां पर सिटी फॉरेस्ट डेवलप किया जाएगा। पेड़ लगाए जाएंगे और पिकनिक पर्यटन के प्रबंध भी किए जाएंगे। इंदौर में विशाल हनुमान मंदिर बनाया गया है। सभी नगर निगम, नगर पालिका अथवा नगर परिषद स्वतंत्र रूप से फैसला ले सकते हैं कि उन्हें कहां और कितना डेवलप करना है। इसके लिए सभी प्रकार के डाक्यूमेंट्स तैयार हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव के बाद कैबिनेट की मंजूरी मिल जाएगी और उसके बाद बजट आवंटन के लिए यह प्रोजेक्ट वित्त विभाग के पास चला जाएगा।

वित्त विभाग द्वारा सभी विभागों के साथ बजट प्रस्तावों पर उप सचिव स्तर की चर्चा के लिए 3 जून तक का समय तय किया गया है और नगरीय विकास विभाग की बैठकें इसको लेकर हो चुकी हैं जिसमें बजट प्रस्ताव के साथ नई योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। हालांकि नई योजनाओं के प्रस्तावों को अभी अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर पर मंजूरी मिलने के बाद कैबिनेट की मंजूरी मिलना बाकी है।

यह कॉन्सेप्ट पूरे मध्यप्रदेश के लिए आइडियल

नगरीय विकास विभाग के अफसरों के अनुसार सरकार के कामों में पब्लिक की भागीदारी बनाने को लेकर नगरीय निकायों की वनीकरण योजना तैयार की गई है। इसके पीछे मंशा यह है कि जब लोग किसी योजना से सीधे जुड़ेंगे तो उसके रखरखाव की भी चिंता करेंगे। इंदौर में पितृ पर्वत में पौधरोपण का जो कांसेप्ट सफल हुआ है, उसमें स्थानीय लोगों ने पौधे लगाने के साथ उसकी सुरक्षा का जिम्मा भी संभाला है। इसके साथ ही जो पौधरोपण के बाद सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहे हैं, उनके द्वारा इसके संरक्षण के लिए आने वाले खर्च का जिम्मा उठाया गया है। इसके चलते पौधरोपण सफल हुआ है। यही व्यवस्था प्रदेश के सभी निकायों में लागू करने की तैयारी है जिस पर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं आएगा।

ग्रीन बेल्ट की जमीन पर सिटी फॉरेस्ट डेवलप करेंगे

नगरीय विकास के अफसरों के अनुसार इसके लिए मास्टर प्लान घोषित निकायों में ग्रीन बेल्ट की जमीन पर फोकस होगा। हर निकाय में इसके लिए जमीन का प्रावधान होता है, वहां की जमीन पर पौधरोपण के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर उसके फायदे भी बताए जाएंगे। वहीं जिन निकायों के पास जमीन उपलब्ध नहीं होगी, उसके लिए राजस्व विभाग से जमीन लेकर पौधरोपण के लिए उपयोग में लाने का काम किया जाएगा।

पितरों की याद में हजारों पौधे रोपे

इंदौर में गोम्मटगिरि के सामने स्थित पितृ पर्वत को इसलिए भी जाना जाता है क्योंकि इंदौर के लोगों ने पितरों की याद में हजारों पौधे रोपे हैं। यहां श्राद्ध पक्ष में हर साल बड़ी संख्या में लोग अपने मित्रों और पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही पूजा- पाठ के लिए पहुंचते हैं। लोगों की आस्था को देखते हुए यहां 108 टन वजनी हनुमान मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई है। भगवान हनुमान की गदा 65 फीट लंबी है, जिसको देखने के लिए हर रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

ट्रैफिक सुधारने की मशक्कत जारी

राजवाड़ा क्षेत्र में आज से 7 दिन ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा पर बैन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में ट्रैफिक विभाग, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे। इसमें फैसला लिया गया कि राजवाड़ा क्षेत्र में ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा के कारण यातायात बाधित होता है। इसलिए शनिवार से सात दिनों तक राजवाड़ा तक उनके आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। राजवाड़ा पर अगले सात दिन तक इस प्रयोग का अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद फिर फैसला लिया जाएगा। बैठक में शहर के 30 मार्गों पर चर्चा हुई। जहां ट्रैफिक इंजीनियरिंग, लेफ्ट टर्न चौड़ीकरण, पोल शिफ्टिंग जैसे कार्य नहीं होने के कारण यातायात बाधित होता है। कलेक्टर आशीष सिंह ने विभागों से दो माह के भीतर काम पूरे करने को कहा है।

रात दस बजे तक भारी वाहन प्रतिबंधित नवलखा क्षेत्र में शाम 4 बजे से भारी वाहनों का प्रवेश हो जाता है। इस कारण वहां यातायात बाधित होता है। समिति ने फैसला लिया कि शाम 4 से रात 10 बजे तक क्षेत्र में भारी वाहनों की एंट्री नहीं हो सकेगी। दूसरे शहरों तक जाने वाली बसें रात आठ से नौ बजे के बीच शहर के कई मार्गों पर रुकते हुए यात्री बैठाती है। इससे भी यातायात बाधित होता है। इन बसों के व्यवस्थापन को लेकर चर्चा हुई।

अतिक्रमण के कारण जाम

बैठक में शाम के समय कई चौराहों पर यातायात बाधित होने का मुद्दा उठा। बताया गया कि लवकुश चौराहे पर शाम को अक्सर जाम लगता है, क्योंकि दोनों तरफ सर्विस रोड पर ठेले, गुमटियों का अतिक्रमण है। वहां आने वाले ग्राहक मुख्य मार्ग पर वाहन पार्क करते हैं। इस कारण यातायात के लिए जगह कम बचती है। चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा, पाटनीपुरा, मालवा मिल और सयाजी चौराहे पर लगने वाले जाम को लेकर भी चर्चा हुई।

यहां भी होगा ट्रैफिक सुधारने का काम

नौलखा बस स्टैंड और तीन इमली बस स्टैंड को जल्द नायता मुंडला बस स्टैण्ड में शिफ्ट किया जाएगा। नायता मुंडला बस स्टैण्ड और कुम्हेड़ी से लॉन्ग रुट की बसों का संचालन जल्द प्रारंभ किया जायेगा।

सत्य सांई चौराहा में चौराहा की बनावट सही नहीं होने से स्कीम नंबर 54 की ओर जाने वाला ट्रैफिक प्रभावित होता है। इसके लिए यहां फुटपाथ से दुकानों का अतिक्रमण हटाया जाकर एफओबी बनाया जाएगा।

इण्डस्ट्री हॉउस तिराहा से धोबीघाट की ओर जाने वाले वाले रोड का चौडा किया जाएगा।

पलासिया चौराहा में लेफ्ट टर्न और गीता भवन चौराहा में डिवाइडर बढ़ाए जाएंगे।

गंगवाल बस स्टैण्ड पर ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए बस स्टैण्ड को उचित स्थान देखकर शिफ्ट किया जाएगा।

मंथन: इंदौर के प्रस्तावित मास्टर प्लान 2035 के ड्राफ्ट प्लान को लेकर देश के पांच प्रमुख एक्सपर्टस ने की चर्चा

रामसर साइट के आसपास हो रहे डेवलपमेंट पर एक्सपर्टस ने जताई चिंता

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के प्रस्तावित मास्टर प्लान 2035 के ड्राफ्ट प्लान को लेकर शुक्रवार को देश के पांच प्रमुख एक्सपर्टस ने यहां स्थानीय अधिकारियों के साथ मंथन किया। चार घंटे से ज्यादा समय तक चली बैठक में इंदौर के डेवलपमेंट पर संतोष जताया। इसके साथ ही अगले 20 साल के लिए विजन साझा किया। एक्सपर्ट ने खास चिंता रामसर साइट के आसपास हो रहे डेवलपमेंट पर जताई। उनका मानना है कि यहां सीवर लाइन का गंदा पानी घातक हो सकता है। इसके साथ ही इंदौर में वाटर बॉडी, वेटलैंड बढ़ाने पर जोर दिया। इंदौर के आसपास के शहरों की कनेक्टिविटी भी प्रस्ताव में खास रही।

मास्टर प्लान 2035 के ड्राफ्ट प्लान के लिए पांच एक्सपर्टस अवनीश पाटिल (सिटी टॉउन प्लानर, महाराष्ट्र), आर. श्रीनिवासन (रिटायर्ड टॉउन एण्ड कंट्री प्लानिंग), डॉ. ए. पन्नीसेल्वम (ली एसोसिएट=), जसवंतसिंह (पूर्व सीटीपी, हरियाणा), प्रो. निखिल रंजन मंडल (एसपीए, भोपाल) और टीएण्डसीपी डायरेक्टोरेट से प्लानर विष्णु खरे थे। उनके साथ स्थानीय अधिकारियों बैठक में शामिल थे। इसके पूर्व एक्सपर्टस ने गुरुवार को विजय नगर, बायपास, स्कीम 140, फिनिक्स मॉल, एमवायएच, एमजीएम, शिवाजी वाटिका, 56 दुकान, राजबाडा, सिरपुर, बेटमा के पास प्रस्तावित ऑउटर रिंग रोड और एयरपोर्ट क्षेत्र का अध्ययन किया गया।

बहुत सुंदर तरीके से हो रहा डेवलपमेंट

शुक्रवार को बैठक में कलेक्टर आशीषसिंह, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा, टीएण्डसीपी के जॉइंट डायरेक्टर शुभाशीष बैनर्जी, आईडीए सीईओ आरपी अहीरवार शामिल थे। बैठक के बाद एक्सपर्ट डॉ. ए. पन्नीसेल्वम ने बताया कि इंदौर में डेवलपमेंट बहुत सुंदर तरीके से बढ़ रहा है। शहर की जो समस्याएं हैं उन्हें अगले 20 सालों में कैसे हल करना है, इसे लेकर मंथन हुआ। इंदौर में जो कुछ चल रहा है, वह बहुत अच्छा चल रहा है। बैठक में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, ट्रैफिक, पर्यावरण, पानी सहित कई बिंदु रहे। इंदौर क्लीन सिटी है और स्मार्ट सिटी में भी बहुत अच्छे काम हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगले 20 सालों में वाटर बॉडी, वेटलैंड इसे अर्बन एरिया के डेवलपमेंट के नाम पर और बढ़ाना है। यहां का डेवलमेंट सिर्फ शहर ही नहीं बल्कि आसपास भी होना चाहिए।

आसपास के शहरों से अच्छी कनेक्टिविटी भी हो

एक्सपर्ट आर. श्रीनिवासन ने बताया कि मास्टर प्लान में इंदौर को सिर्फ शहरी क्षेत्र ही नहीं बल्कि आसपास के शहरों से कितनी अच्छी कनेक्टिविटी बनती है, इसे खास तौर पर देखना होगा। इंदौर का डीएमआईसी कॉरिडोर का क्या प्रभाव पड़ेगा। इंदौर अभी अन्य शहरों के लिए एक रोल मॉडल है। यहां काफी साफ-सफाई रखी जाती है। यहां किस प्रकार सॉलिड वेस्ट का प्रबंध है, इसे दूसरे शहरों को सीखना चाहिए।

भदभदा बस्ती के बेघर परिवारों ने जताया विरोध

बोले- पहले मकान दो तभी हटने देंगे मलबा

सिटी चीफ भोपाल।

भदभदा बस्ती में तोड़े गए घरों का मलबा हटाने जब नगर निगम अमला पहुंचा तो बेघर हुए परिवारों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए काम रुकवा दिया। उनका कहना है पहले उनको मकान दिए जाएं, उसके बाद वह मलबा हटाने देंगे।

गौरतलब है कि एनजीटी के आदेशों का पालन करते हुए निगम अमले ने भदभदा बस्ती में बने 386 घरों को तोड़ दिया था। इसके साथ ही यहां से बेघर हुए परिवारों को एक-एक लाख रुपये मुआवजा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वैकल्पिक आवास देने का वादा किया गया था।

लेकिन इन परिवारों को अब तक आवास नहीं मिले हैं। वह किराए के घरों में रह रहे हैं।

इसी बीच शुक्रवार को नगर निगम का अमला तोड़े गए घरों का मलबा उठाने पहुंचा तो इसकी भनक परिवारों को लग गई। इससे महिला, बच्चों के साथ वह मौके पर पहुंच गए और हंगामा खड़ा कर दिया। उनकी मांग थी कि वर्षा का मौसम आने वाला है। प्रशासन उन्हें पहले मकान दे इसके बाद वह मलबा हटाने देंगे। इसकी जानकारी मिलते ही टीटीनगर एसडीएम अर्चना शर्मा भी मौके पर पहुंच गई थीं। उन्होंने परिवारों की मांग सुनी और उनको समझाइश दी। एसडीएम ने नगर निगम के अधिकारियों व बेघर परिवारों की तरफ से कुछ लोगों को सोमवार को चर्चा के लिए बुलाया है। उनकी सुनवाई करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीएसटी चोरी के संदेह में कंस्ट्रक्शन कंपनी पर छापा, दस्तावेज किए जब्त

सिटी चीफ भोपाल।

राज्य जीएसटी की एंटी इवेजन ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को यहां ऐशबाग स्टेडियम के पास लकी कंस्ट्रक्शन कंपनी सहित सात कंपनियों के कार्यालयों में छापा मरा। यहां जीएसटी के 25 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम ने दस्तावेजों की जांच की। कुछ दस्तावेज जब्त भी किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लकी कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक ने अलग-अलग नाम से अपनी ही कई कंपनियां बना ली थी। इनमें आपस में ही सामग्री की खरीदी-बिक्री दिखाकर निर्धारित जीएसटी का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लिया जाता था। सभी कंपनियों के कार्यालयों में देर रात तक कागजातों की छानबीन चलती रही।

जीएसटी के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2017 के बाद से दिखाए गए लेनदेन के आधार पर टैक्स की रिकवरी की जाएगी। जिन कंपनियों के कार्यालय में कार्रवाई की गई, उनमें रायल कंस्ट्रक्शन, अजीम आलम कंस्ट्रक्शन, इंडियन कंस्ट्रक्शन, नसीम आलम कंस्ट्रक्शन, रुखसार शेख आलम कंस्ट्रक्शन, क्रिएटिव कंस्ट्रक्शन और एवन कंस्ट्रक्शन शामिल हैं।

गश खाकर गिरे पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष का निधन,

अंतिम संस्कार आज, आधे दिन बंद रहेगा बैरागढ़ बाजार

सिटी चीफ भोपाल।

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में रहने वाले पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी शुक्रवार को बैरागढ़ विश्रामघाट में श्रद्धांजलि देते समय गश खाकर गिर पड़े। वहां मौजूद पंचायत के अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें उठाया और तत्काल एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर डाक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 85 वर्ष के थे। सिंधी पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी के अनुसार शुक्रवार को मीरादेवी के अंतिम संस्कार के बाद परंपरा के अनुसार रीझवानी श्रद्धांजलि दे रहे थे। उसी समय

उन्हें चक्कर आया और वह गिर पड़े। संभवतः साइलेंट अटैक आने से उनका निधन हुआ है।

रीझवानी मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक भी रहे। साहित्य एवं कला के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय सम्मान भी मिले। वह पूज्य सिंधी पंचायत के पांच बार अध्यक्ष रहे। इसके अलावा वह एक बार उपाध्यक्ष और एक बार महासचिव रहे। चेटीचंड के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा में वह भगवान झूलेलाल की वेशभूषा में शामिल होते थे।

उनके निधन से सिंधी समाज में शोक की लहर छा गई है। आज दोपहर 12 बजे बैरागढ़ विश्रामघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रीझवानी के सम्मान में शनिवार को दोपहर एक बजे तक बैरागढ़ के व्यापारी बाजार बंद रखेंगे।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदो और पाओ टैक्स व पार्किंग शुल्क से मुक्ति

मध्य प्रदेश सरकार ला रही नई पालिसी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार नई ईवी पालिसी ला रही है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर कोई टैक्स नहीं वसूला जाएगा, ऐसे वाहनों की पार्किंग भी फ्री होगी। अभी वाहन के पंजीयन पर एक प्रतिशत टैक्स लगता है। नई पालिसी के तहत शहरों में शापिंग माल और आफिस की पार्किंग में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अलग से पार्किंग आरक्षित की जाएगी। पार्किंग स्थान पर चार्जिंग प्वाइंट भी होंगे। दिन में चार्ज के शुल्क में 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जबकि रात्रि में चार्ज करने पर बिजली का 100 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इलेक्ट्रिक आटो रिक्शा के लिए शहरों में रूट तय होंगे। नगर निगम और निकाय स्तर पर इनके रूट किलोमीटर के हिसाब से तय किए जाएंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नई पालिसी का प्रस्ताव बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेज दिया है। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। बता दें कि 2019 में बनी ईवी पालिसी को पांच वर्ष पूरे हो चुके हैं। नगरीय प्रशासन एवं

विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव के तहत सरकारी वाहनों की खरीद में भी इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही इलेक्ट्रिक साइकिल, दो पहिया, तीन पहिया व चारपहिया वाहन, बस एवं मालवाहक वाहनों के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन की व्यवस्था की जाएगी। इन वाहनों की श्रेणियों के लिए विशेष प्रोत्साहन जैसे ऋण पर ब्याज में छूट, परमिट, पंजीयन एवं रोड टैक्स में छूट के साथ ही वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। चार्जिंग स्टेशन के साथ बैट्री स्वैपिंग के लिए कैपिटल सब्सिडी दी जाएगी। बता दें कि राज्य सरकार ने नई पालिसी के लिए केंद्र सरकार की पालिसी का अध्ययन कराया है। इसमें परिवहन विभाग का भी सहयोग लिया गया, ताकि क्रियान्वयन में परेशानी न आए। ईवी के लिए सिंगल विडो क्लीयरेंस स्थापित करने की भी योजना है। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए निजी निवेश को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार एसओपी (स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर) बना रही है।

राषीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने सभा को किया संबोधित

बोले - संघ का सबसे बड़ा कार्य उदाहरण खड़ा करना

सिटी चीफ भोपाल।

राष्ट्र भक्ति और देश प्रेम को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यरत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए इन दिनों भोपाल के शारदा विहार परिसर में 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक' चल रहा है। 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग में छत्तीसगढ़, महाकोशल, मालवा और मध्य भारत प्रांत के 378 स्वयंसेवक प्रशिक्षण ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे निष्ठावान लोग खड़े होने चाहिए, जिनको देखकर अन्य लोग सीख लें। संघ का सबसे बड़ा कार्य समाज में उदाहरण खड़े करना है। इस अवसर पर मंच पर वर्ग के सर्वाधिकारी सोमकांत उमालकर भी उपस्थित थे। कुलकर्णी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि यह स्वयं के व्यक्तित्व विकास के साथ कार्यक्षेत्र में संघ कार्य विस्तार के लिए उपयोगी है। संघ कार्य में जीवन समर्पित करने वाले कार्यकर्ताओं के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी 'तेजोमय प्रतिबिम्ब तुम्हारे' का आयोजन भी किया गया है। इसमें भारतीय ज्ञान के स्रोत सद्ग्रंथों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें चारों वेद, पुराण, स्मृतियां, संहिताओं सहित रामायण एवं महाभारत शामिल हैं। बता दें कि संघ की रचना में मध्य क्षेत्र में चार प्रांत हैं, छत्तीसगढ़, महाकोशल, मालवा और मध्यभारत। छत्तीसगढ़ से 78,

महाकोशल से 85, मालवा से 118 और मध्यभारत से 97 चयनित स्वयंसेवक प्रशिक्षण ले रहे हैं। वर्ग संचालन के लिए 19 अधिकारियों की टोली बनाई गई है। इसके साथ ही शिक्षार्थियों के प्रशिक्षण के लिए प्रत्येक प्रांत से शिक्षक भी आए हैं। विभिन्न विषयों पर अखिल भारतीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय अधिकारी भी शिक्षार्थियों का प्रबोधन करेंगे। देश के लिए अपना समय, धन और मन देकर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का है प्रशिक्षण कुलकर्णी ने कहा कि यह प्रशिक्षण वर्ग देश के लिए अपना समय, धन और मन देकर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण है। आज देश में ऐसी ताकतें सक्रिय हैं, जो हिंदू समाज को विखंडित करने के प्रयास में लगी हुई हैं। वे हमें जाति, पंथ, स्त्री-पुरुष इत्यादि भेदों में बांटने के लिए वैचारिक भ्रम उत्पन्न करते हैं। विविधता हमारी विशेषता रही है। हमें औपनिवेशिक ताकतों के इन षड्यंत्रों के प्रति जागरूक होना है और समाज को भी जागरूक करना है। डाक्टर साहब (संघ के संस्थापक सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार) के समय से कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग आयोजित करने की परंपरा शुरू हुई। अब तक क्षेत्र का यह वर्ग 'संघ शिक्षा वर्ग-द्वितीय वर्ष' के नाम से आयोजित होता था, लेकिन अब यह 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक' के नाम से आयोजित होगा।

व्यापारी को धमकाकर वसूली के मामले में बैरागढ़ थाने के हवलदार सहित चार पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के बैरागढ़ थाने में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक और तीन आरक्षकों को डीसीपी ने लाइन हाजिर कर दिया हैं। इन चारों पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में फंसाने की एवज में व्यापारी से एक लाख रुपये वसूलने का आरोप लगा है। घटना के बाद व्यापारी ने डीसीपी को लिखित शिकायत की थी। साथ ही लिखा था कि यदि उसे परेशान किया गया तो वह खुदकुशी कर लेगा।

जानकारी के अनुसार बैरागढ़ निवासी विनय खूबचंदानी निजी काम करते हैं। बुधवार को उनके घर पर कार्यक्रम चल रहा था। जिसमें कई रिश्तेदार भी मौजूद थे। रात के समय पर घर के सामने खड़ी अपनी कार में बैठे थे, तभी थाने के प्रधान आरक्षक दीपक गुरुवानी, आरक्षक अर्जुन वर्मा,

आरक्षक तरुण गौर और आरक्षक सरवर विश्वकर्मा वहां पहुंचे और अपने साथ थाने ले गए। कुछ देर तक थाने में बिठाने के बाद वह उनपर सट्टा खेलने का आरोप लगाने लगे। विनय ने जब बताया कि वह इस कारोबार से दूर हैं, लेकिन पुलिसकर्मी उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देने लगे। उसके बाद एक लाख रुपये लेने के बाद ही उन्हें थाने से जाने दिया। घटना के बाद विनय ने चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ डीसीपी को आवेदन दिया था। डीसीपी ने मामले की जांच बैरागढ़ एसीपी को दी थी। एसीपी ने जांच करते हुए एक प्रधान आरक्षक और तीन आरक्षकों को लाइन हाजिर कर दिया है।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का सितम

रतलाम में 46.2 डिग्री सेल्सियस तापमान, खंडवा, खरगोन और धार में लू कर रही परेशान

सिटी चीफ भोपाल।

भट्टी की तरह तप रहे राजस्थान और गुजरात की ओर से आ रहे गर्म हवाओं के थपेड़ों से प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर बरकरार हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक 46.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया। रतलाम में तीव्र लू रही। खंडवा, खरगोन एवं धार में लू चली। शनिवार से नौतपा (25 मई से दो जून तक का समय) भी शुरू हो रहा है। हालांकि मौसम विज्ञानियों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में तूफान बन रहा है। उसके असर से हवाओं का रुख पूर्वी होने लगा है। इस वजह से नौतपा में गर्मी के तेवर कुछ नर्म रहने और बीच में कहीं-कहीं बौछारें पड़ने की भी संभावना है। उधर, शुक्रवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान भी 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शहर का इस सीजन का एवं शुक्रवार को पूरे प्रदेश में रात का सबसे अधिक तापमान रहा।

प्रदेश में रात का सबसे अधिक तापमान रहा

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान के आसपास बना हुआ है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर मध्य प्रदेश से होकर पूर्वी विदर्भ तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके अतिरिक्त उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने

बताया कि राजस्थान की तरफ से लगातार आ रही गर्म हवाओं के कारण प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। कुछ शहर लू की चपेट में हैं। उधर मध्य प्रदेश से होकर द्रोणिका के गुजरने से कुछ नमी भी आ रही है। जिसके चलते दोपहर के बाद आंशिक बादल छाने लगते हैं। उधर शनिवार से नौतपा भी शुरू होने जा रहे हैं। नौतपा में गर्मी के तेवर कुछ नर्म होने की संभावना है।

हवाओं का रुख बदलने से गर्मी से मिलेगी कुछ राहत

वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में एक अवदाब का क्षेत्र बन गया है। इसके उत्तर-पूर्वी दिशा में आगे बढ़ते हुए शनिवार को तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, यह तूफान और तीव्र होकर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को गंगासागर एवं बांग्लादेश के मध्य में तट से टकरा सकता है। इसके प्रभाव से हवाओं का रुख बदलने लगा है। इससे प्रदेश में भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने की भी उम्मीद है।

साम्पदकीय

किसानों को खेती से जोड़े रखना एक गंभीर चुनौती

भारत एक कृषि प्रधान देश है लेकिन देश में कृषि की तुलना में उद्योग और सेवा आदि क्षेत्रों का तेजी से विस्तार होने के कारण इस मौलिक व्यवसाय का योगदान जीडीपी में जिस तेजी से घट रहा है। कृषि कर्म में लगे लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान में प्रवासन के कारण किसानों को खेती में प्रवृत्त रखना एक गंभीर चुनौती ही है। यह दोधारी चुनौती एक बड़ी आबादी को आजीविका के अवसर प्रदान करने के साथ ही जनसंख्या की आवश्यकतानुसार देश का अन्न उत्पादन बनाए रखने की भी है। हर रोज किसानों की आत्महत्याओं की समस्या भी इसी चुनौती से जुड़ी हुई है।खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के एक आकलन के अनुसार भूख, गरीबी और जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले मौसमी बदलाव की वजह से लगभग 76.3 करोड़ लोग अपने ही देश में किसानी छोड़कर बेहतर आजीविका अवसरों की तलाश में प्रवास कर जाते हैं।भारत की लगभग एक तिहाई आबादी यानी 30 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। जनगणना रिपोर्ट 2011 के अनुसार लगभग 84 प्रतिशत लोग अपने राज्य के भीतर ही प्रवास करते हैं और लगभग 2 प्रतिशत लोग एक राज्य से दूसरे राज्य में चले जाते हैं।पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों से बड़ी तादाद में लोग काम और बेहतर रोजगार की तलाश में भारत के विभिन्न हिस्सों में चले जाते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अल्पकालीन प्रवासी हैं जो थोड़े समय के लिए मजदूरी करते हैं और इसके बाद अपने मूल राज्य में लौट कर अपनी छोटी जोतों पर काम करते हैं। एनसीआरबी द्वारा दिसंबर 2023 में जारी क्राइम स्टेटिस्टिक्स के अनुसार वर्ष 2022 में देश में 11,290 किसानों ने आत्महत्या की जिनमें 6083 कृषि मजदूर थे।प्रवासन दुनियाभर में कई गरीब लोगों के लिए जीवन जीने का एक तरीका है और सहस्राब्दियों से रहा है, लेकिन कृषिकर्म से जुड़े लोगों के लिए प्रवासन एक मजबूरी है जो कि बढ़ती जा रही है। अपर्याप्त कृषि भूमि, विकास की कमी और खराब पारिवारिक अर्थव्यवस्था के कारण मजदूरों को अपना क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। भारत की अर्थव्यवस्था सदैव कृषि आधारित रही है। कृषि उत्पादन में मुख्य घटक कृषि क्षेत्र के मजदूर हैं। एक अनुमान के अनुसार ग्रामीण भारत में 35 प्रतिशत श्रम शक्ति की अधिकता है जबकि वहां उतनी श्रम शक्ति के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाता। इस कारण लोगों को एक प्रदेश छोड़ कर दूसरे कृषि प्रधान प्रदेश में सीजनल प्रवासन करना पड़ता है। इससे श्रम की आपूर्ति और मांग में असंतुलन पैदा हो जाता है। कृषि क्षेत्र के लिये चिन्ता का विषय यह है कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि की हिस्सेदारी घट रही है। लोकसभा में 19 दिसंबर 2023 को कृषि मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के कारण भारत की जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी 1990-91 में 35 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 15 प्रतिशत रह गई। फिर भी कृषि क्षेत्र भारत के लगभग आधे कार्यबल को रोजगार देता है और भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में अधिकांश अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी घटते जाने का यह मतलब कतई नहीं कि इस आधारभूत क्षेत्र का महत्व ही घट गया है। भारत के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में इस क्षेत्र का महत्व इस सूचक से कहीं अधिक है। क्योंकि भारत के लगभग तीन-चौथाई परिवार ग्रामीण आय पर निर्भर हैं। भारत के लगभग 70 प्रतिशत गरीब ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाते हैं और भारत की खाद्य सुरक्षा अनाज की फसलों के उत्पादन के साथ-साथ बढ़ती बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए फलों, सब्जियों और दूध के उत्पादन को बढ़ाने पर निर्भर करती है। ऐसा करने के लिए एक उत्पादक, प्रतिस्पर्धी, विविध और टिकाऊ कृषि क्षेत्र को त्वरित गति से उभरने की आवश्यकता होगी। भारत एक वैश्विक कृषि महाशक्ति है। यह दूध, दालों और मसालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है और इसमें दुनिया का सबसे बड़ा मवेशी झुंड है। यह चावल, गेहूं, कपास, गन्ना, मछली, भेड़ और बकरी का मांस, फल, सब्जियां और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में लगभग 19.5 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 63 प्रतिशत वर्षा आधारित है, जबकि 37 प्रतिशत सिंचित है।कृषक समुदाय के समक्ष पारंपरिक पेशे से जुड़े रहने में एक नहीं बल्कि अनेकों चुनौतियां हैं। कई किसान बाजार की कीमतों में उतार-चढ़ाव, मौसम की अनिश्चितता और बढ़ती इनपुट लागत जैसे विभिन्न कारकों के कारण कम और अस्थिर आय से जूझते हैं। यह आर्थिक अस्थिरता उनके लिए केवल कृषि के माध्यम से अपना गुजारा करना कठिन बना देती है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों में अक्सर आधुनिक कृषि पद्धतियों की तुलना में दक्षता और उत्पादकता की कमी होती है। आधुनिक उपकरणों, मशीनरी और प्रौद्योगिकियों तक सीमित पहुंच उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बाधित करती है, जिससे युवा पीढ़ी कृषि पेशे में प्रवेश करने या जारी रखने से हतोत्साहित हो रही है। विरासत कानूनों और जनसंख्या वृद्धि के कारण पीढ़ियों से कृषि भूमि छोटे-छोटे भूखंडों में विखंडित हो रही है। छोटी और बिखरी जोत खेती को आर्थिक रूप से कम व्यवहार्य बनाती है और मशीनीकरण और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में बाधा डालती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का पैटर्न अनियमित हो गया है, तापमान में वृद्धि हुई है, और लगातार चरम मौसम की घटनाएं हो रही हैं, जिससे पानी की कमी और फसलें बर्बाद हो रही हैं। सिंचाई और जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों तक पहुंच की कमी इन चुनौतियों को और बढ़ा देती है। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, परिवहन बाधाओं और बिचौलियों के शोषण के कारण किसानों को अक्सर बाजारों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, कृषि वस्तुओं में मूल्य अस्थिरता के परिणामस्वरूप किसानों की आय में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव हो सकता है। कई किसान बीज, उर्वरक और कीटनाशक जैसे इनपुट खरीदने के लिए ऋण पर निर्भर हैं। हालांकि, उच्च ब्याज दरें, सूदखोरी ऋण प्रथाएं और फसल की विफलता किसानों के बीच ऋणग्रस्तता और वित्तीय संकट पैदा कर सकती है, जिससे वे पारंपरिक खेती से दूर हो सकते हैं। कुछ समाजों में, शहरी नौकरियों की तुलना में कृषि को कम प्रतिष्ठा वाले व्यवसाय के रूप में देखा जाता है। ये परिस्थितियां युवा पीढ़ी को कृषि को करियर विकल्प के रूप में अपनाने से हतोत्साहित करती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए ऋण तक पहुंच में सुधार, कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने, बाजार संपर्क बढ़ाने, सिंचाई के बुनियादी ढांचे को प्रदान करने, जलवायु-लचीली कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और टिकाऊ कृषि के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। राष्ट्रीय कृषक आयोग की सिफारिशों को मानते हुए 2007 में संसद ने राष्ट्रीय कृषि नीति को अपनाया था। इसमें कृषि में युवाओं की संलिप्तता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। नीति आयोग का भी प्रयास है कि कृषि संबंधी सहयोगी उद्योगों के जरिए युवाओं को खेती में संलग्न किया जाए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 'आर्या' यानी अट्रैक्टिंग एंड रिटेनिंग यूथ इन एग्रीकल्चर, की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य है कि सतत आय का जरिया प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसर पैदा करना।'आर्या' की शुरुआत के समय प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन ने कहा था, 'जब तक कृषि को आकर्षक और फायदेमंद नहीं बनाया जाएगा, तब तक युवाओं को इस क्षेत्र में कायम रखने में कठिनाई होगी।'

संकटः दर्द का दरिया न बन जाए डल झील

बीमारियों से जूझ रही स्थानीय आबादी

हाल में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कश्मीर में डल झील की 'बिगड़ती स्थिति% पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जम्मू-कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण समिति सहित कई प्राधिकारों से जवाब मांगा है। एनजीटी ने कहा कि एक समय लोग इस झील का पानी पीते थे, लेकिन आज इसका उपयोग मुंह धोने के लिए भी नहीं कर सकते। इसरो द्वारा खींचे गए सैटेलाइट चित्रों के सहयोग से अमेरिकी संस्था %अर्थ ऑब्जर्वेटरी इमेज% भी कह चुकी है कि वर्ष 1980 से 2018 के बीच श्रीनगर का 'अस्तित्व' कही जाने वाली डल झील का आकार 25 फीसदी घट गया। अदालती दखल, सरकारी कोशिशों व स्थानीय दबाव के बावजूद डल झील मजबूर है मौन अतिक्रमण सहने और घरेलू गंदगी को खपाने के लिए। श्रीनगर की कुल आय का 16 प्रतिशत इसी झील से आता है। यहां के 46 फीसदी लोगों के घर का चूल्हा इसी झील से हुई कमाई से जलता है। तैरते हुए बगीचे झील के मुख्य आकर्षण हैं। कमल और कुमुदनी के फूल नयनाभिराम दृश्य प्रस्तुत करते हैं। यह झील लाखों जलचरों, परिंदों का भी घरोंदा हुआ करती थी। अपने जीवन की थकान, हताशा और एकाकीपन को दूर करने के लिए देश-दुनिया के लाखों पर्यटक इसका दीदार करने आते थे। अब यह बदबूदार नाबदान व शहर के लिए मौत के जीवाणु पैदा करने का जरिया बन गई है। पिछले महीने ही जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका के दबाव में सरकार ने एक हजार पन्ने के दस्तावेज में एक योजना पेश की। बीते अनुभव बताते हैं कि अदालत में पेश योजना जब महकमों के पास साकार होने आती है, तो कागजों के अलावा कहीं सुधार नहीं होता। एक अनुमान के अनुसार, अब तक इस झील को बचाने के नाम पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। असल में इसे बचाने की ज्यादातर योजनाएं दिखावटी होती हैं, जैसे एलईडी लाइट लगाना, रैलिंग लगाना, फुटपाथ को नया बनाना आदि। इन सबसे इस अनूठी जलनिधि के नैसर्गिक स्वरूप को बनाए रखने की दिशा में कोई लाभ नहीं होता, बल्कि ऐसे निर्माणों का मलबा झील को नुकसान ही पहुंचाता है। वर्ष 1976 में सरकार ने पहली बार झील की स्थिति पर विचार किया। 1978 में झील व उसके आसपास?किसी भी तरह के निर्माण पर रोक लगाई गई, लेकिन बीते 45 वर्षों में इस पर कभी अमल होता नहीं दिखा है। आज एक लाख से ज्यादा झोपड़ी झील क्षेत्र में बसी हैं।?जब भी कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने, हाउस बोट को दूसरी जगह ले जाने के आदेश दिए, तो सियासी दबाव में उन पर अमल नहीं हुआ। जब तक स्थानीय लोगों की भागीदारी और सहमति नहीं होगी, डल झील को दर्द का दरिया बनने से नहीं रोका जा सकता। झील का सबसे बड़ा दुश्मन अतिक्रमण है। आसपास की बस्तियों और शिकारों से निकलने वाला मल-मूत्र सीधे इसमें गिरने से इसके पानी की गुणवत्ता खराब हुई है। लोग चोरी-छिपे इसमें कूड़ा भी फेंकते हैं। तीन तरफ पहाड़ियों से घिरी डल झील में चार जलाशयों का पानी आकर मिलता है। झील में सफाई होती भी है, तो इन चार जलाशयों का प्रदूषित पानी इसे और गंदा कर देता है। डल झील के बड़े हिस्से में वनस्पतियां उग आई हैं, जिससे सूर्य की किरणें गहराई तक नहीं जा पातीं। इससे पानी में ऑक्सीजन की कमी होती और बदबू आने लगती है। ज्यादा कमाई के लोभ में होती निरंकुश खेती के चलते रासायनिक खाद व कीटनाशकों ने पानी को जहरीला बना दिया है। सरकारी रिकॉर्ड गवाह है कि सन 1200 में इस झील का फैलाव 75 वर्ग किलोमीटर में था। लेकिन अब इसमें जल का फैलाव मुश्किल से आठ वर्ग किलोमीटर में सिमट गया है। झील गाद से पटी हुई है। पानी का रंग लाल-गंदला है और काई की परतें हैं। इसका पानी मनुष्यों के इस्तेमाल के लिए खतरनाक घोषित हो चुका है। बढ़ते वैश्विक तापमान से भी डल झील अछूती नहीं है। डल का सिकुड़ना ऐसे ही जारी रहा, तो इसका अस्तित्व बमुश्किल 350 साल बचा है। यह बात रुड़की यूनिवर्सिटी के वैकल्पिक जल-ऊर्जा केंद्र द्वारा तैयार प्रोजेक्ट रिपोर्ट में कही गई है। श्रीनगर शहर के पास न तो क्षमताओं के अनुरूप सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट है, न ही शहर के बड़े होटल इस बारे में कोई कदम उठाते हैं। इसका खामियाजा वहीं के लोग भुगत रहे हैं। झील के पास की बस्तियों में शायद ही ऐसा कोई घर हो, जहां गेस्ट्रोइंटाटीस, पेचिस, पीलिया जैसे रोगों से पीड़ित न हो।

राजनीति में जनाधारः क्या दक्षिण से भाजपा को कुछ मिलेगा? चार जून के जनादेश से मिलेगा ठोस जवाब

दक्षिण भारत में राजनीतिक विवाद बहुत ज्यादा हैं। दक्षिण भारत के राजनीतिक दलों में एक सामान्य प्रवृत्ति नई दिल्ली के खिलाफ है, खासकर भाजपा के, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रमुक का मुकाबला करने के लिए भाजपा का जनाधार बढ़ाने पर काफी जोर दिया है। वह पहली बार के मतदाताओं के जेहन में अलगाववादी सोच और क्षेत्रवाद के खिलाफ राष्ट्रवाद की भावना लाना चाहते हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी सांस्कृतिक पुनरुत्थान लाना चाहते हैं। दक्षिण भारत की छह राजनीतिक पार्टियों ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बहुत ज्यादा अपमानजनक टिप्पणियां कीं। अब दक्षिण भारत में चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है और लोग बेसब्री से चार जून को आने वाले नतीजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दक्षिण भारत की राजनीति में छह क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व है- द्रमुक, अन्नाद्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगू देशम, जनता दल (एस) और भारत राष्ट्र समिति। भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों की स्थिति वहां नगण्य है। हालांकि कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस का शासन है। इससे पहले भाजपा ने तीन बार कर्नाटक की सत्ता संभाली है। फिलहाल भाजपा पुदुचेरी में सरकार में शामिल है। द्रमुक ने प्रधानमंत्री मोदी का डटकर विरोध किया है। असल में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन डरे हुए हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस को पूरी तरह ध्वस्त करने के बाद नरेंद्र मोदी ने द्रविड़ राजनीति को खत्म करने की भविष्यवाणी की थी। हालांकि वर्ष 2019 में द्रमुक ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश किया था, लेकिन इस बार राहुल के वायनाड चुनाव में द्रमुक ने राहुल गांधी के लिए प्रचार नहीं किया। अन्नाद्रमुक राजग (एनडीए) गठबंधन से बाहर हो गई है। मोदी ने एक ही झटके में अन्नाद्रमुक नेता एडापट्टी पलानीस्वामी के महत्व को कम कर दिया और एमके स्टालिन को ही अपना मुख्य विरोधी माना। मोदी के बार-बार तमिलनाडु दौरे पर जाने पर भी द्रमुक ने आपत्ति जताई। आंकड़े बताते हैं कि जबसे लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई है, प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण के छह राज्यों की 64 बार यात्रा की है। दक्षिण भारत में साक्षरता दर ज्यादा है। शायद यही कारण है कि मतदाता राहुल गांधी को मनोरंजनकर्ता के रूप में लेते हैं। राजनेता किसी नीति के बगैर अनाप-शनाप बातें करते हैं। जैसा कि राहुल गांधी ने हैदराबाद में कहा कि वह गरीबों के खाते में एक लाख रुपये खटा-खट भेजेंगे। कांग्रेस इतने पैसे का इंतजाम कैसे करेगी? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी की तुलना नवीन पटनायक से करते हुए कहा कि नवीन पटनायक और नरेंद्र मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओडिशा में नवीन पटनायक के उत्तराधिकारी के रूप में वीके पांडियन का उभार हो, या अरविंद केजरीवाल का शराब घोटाले में दक्षिण लॉबी से गठजोड़ हो या रायबरेली से चुनाव लड़कर राहुल गांधी का वायनाड की जनता को अंधेरे में रखना हो, ये सब दक्षिण में चर्चा के मुद्दे रहे हैं। भाजपा ने जगन रेड्डी पर हिंदुओं को ईसाई बनाने का आरोप लगाया। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि वायनाड से राहुल गांधी को हराया जाना चाहिए। इधर यौन शोषण मामले में वांछित जनता दल (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को पकड़ने का दबाव बढ़ रहा है, जो फरार हैं। इस मामले में कांग्रेस जान-बूझकर भाजपा पर दोष मढ़ रही है, जबकि नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा है कि रेवन्ना को बख्शा नहीं जाएगा। केंद्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा के लिए दक्षिण भारत के छह राज्य महत्वपूर्ण हैं। भले ही कांग्रेस की कर्नाटक एवं तेलंगाना में सरकार है, लेकिन उसके लिए भी यह आसान नहीं है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुचेरी में लोकसभा की कुल 130 सीटें हैं। नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और मुफ्त राशन की कल्याणकारी योजना के चलते भाजपा मजबूत स्थिति में है।

जाहिर है, भाजपा दक्षिणी राज्यों के सांसदों पर निर्भर नहीं है। याद रहे कि 2019 में मोदी-शाह की जोड़ी ने जब पश्चिम बंगाल को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था, तो वहां भाजपा के 18 सांसद चुने गए थे। उसी तरह इस जोड़ी ने इस बार दक्षिण पर जोर दिया है। यही नहीं, मोदी ने केरल पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया। अब दूसरे विवादों की बात करते हैं, जिनका इस्तेमाल द्रमुक ने राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नरेंद्र मोदी के अल्पसंख्यकों पर दिए बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। नवीनतम विवाद बीजद नेता नवीन पटनायक पर मोदी की टिप्पणी को लेकर है। भाजपा ओडिशा की राजनीति में एक तमिल आईएएस वीके पांडियन के वर्चस्व के खिलाफ हो गई है। कई बीजद नेता वहां भाजपा को विकल्प के रूप में देखते हैं। नवीन पटनायक के कई विश्वासपात्र साथ छोड़कर चले गए हैं। मोदी ने ओडिशा की चुनावी रैली में पांडियन के खिलाफ तीखी टिप्पणी की, जिसे द्रमुक ने तमिल पहचान से जोड़ते हुए तोड़-मरोड़कर पेश किया। तमिलनाडु के भाजपा नेता कहते हैं कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन प्रशंसकों से घिरे रहते हैं, जो उन्हें तमिलनाडु के भीतर और बाहर की घटनाओं से दूर रखते हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी ने ओडिशा की सभा में क्या कहा, इसे बिना संदर्भ के समझे ही वह बात कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी के लिए %नफरत फैलाने% का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ओडिशा के पुरी में खजाना भंडार की गायब चाबियां तमिलनाडु भेजी गई हैं। मोदी की टिप्पणी ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन को लेकर थी, जो मूलतः तमिलनाडु के हैं। हालांकि दक्षिण की ये छह पार्टियां नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर एक-दूसरे का विरोध करती हैं, लेकिन मोदी विरोध के नाम पर एकजुट हो जाती हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ और हिमंत बिस्व सरमा दक्षिण भारत के कॉलेज छात्रों के प्रिय नेता हैं। मोदी ने चुनावी रैलियों में रेत माफिया, ड्रग माफिया, तमिल सिनेमा में ड्रग के खतरे पर जमकर निशाना साधा। दक्षिणी राज्यों में मोदी के धुआंधार प्रचार ने कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रभाव को कम कर दिया है। अब यह तो चार जून को ही पता चलेगा कि भाजपा अपने उद्देश्यों में कितनी सफल रही।

भस्मारती में निराले स्वरूप में दिखे बाबा महाकाल रुद्राक्ष और डमरू लगी माला पहनकर हुआ भव्य श्रृंगार

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि पर शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज द्वितीया तिथि व शनिवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप देखने को मिला। जिसमें बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को रुद्राक्ष की डमरू लगी माला पहनाकर श्रृंगार किया गया और बाद में कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

'द अप्रेंटिस' की रिलीज को रोकना चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप! निर्माताओं को भेजा चेतावनी भरा पत्र

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर अपने बयानों से चर्चा में रहते हैं। ट्रंप एक बार फिर से सुर्खियां बटोर रहे हैं, लेकिन किसी बयान से नहीं, बल्कि एक फिल्म से, जिसका नाम है- 'द अप्रेंटिस'। दरअसल, ट्रंप के वकीलों की ओर से इस फिल्म के निर्माताओं को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें फिल्म के वितरण सौदे को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही गई है। वो इस फिल्म को रिलीज होने से रोकना चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के जीवन पर आधारित है फिल्म

'द अप्रेंटिस' डोनाल्ड ट्रंप के जीवन पर आधारित है। फिल्म में उनकी जिंदगी से जुड़े कई हैरान करने वाले सीन देखने को मिलते हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें अपनी छवि खराब होने का डर है, इसीलिए फिल्म निर्माताओं को चेतावनी भरा पत्र भेजा गया है। वहीं, निर्माताओं का कहना है कि उनकी फिल्म में डोनाल्ड ट्रंप के किरदार को निष्पक्ष और संतुलित ढंग से दिखाया गया है और वो चाहते हैं कि लोग इस फिल्म को देखने के बाद ही अपनी राय बनाए।

ट्रंप की टीम ने जताई कड़ी आपत्ति

'द अप्रेंटिस' में डोनाल्ड ट्रंप का किरदार सेबेस्टियन स्टेन और रॉय कोहन की भूमिका जेरेमी स्ट्रॉन्ग ने निभाई है। फिल्म में कई विवादास्पद घटनाएं शामिल हैं, जैसे- ट्रंप का अपनी पत्नी इवाना से झगड़ा करना। ऐसे ही और भी कई सीन है, जिन पर ट्रंप की टीम की ओर से आपत्ति जताई गई है और कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी गई है। उनका कहना है कि फिल्म में दुर्भावनापूर्ण तरीके से ट्रंप की मानहानि की गई है।

ट्रंप के चुनाव अभियान पर असर डाल सकती है फिल्म

'द अप्रेंटिस' का निर्देशन अली अब्बासी ने किया है। वो एक डैनिश-इरानियन फिल्ममेकर हैं। उनकी इस फिल्म से आशंका जताई जा रही है कि इसका असर आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान पर पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को अभी तक किसी भी अमेरिकी डिस्ट्रिब्यूटर ने नहीं खरीदा है। मालूम हो कि हाल ही में, कान फिल्म फेस्टिवल में इसकी स्क्रीनिंग भी हुई। फिल्म के खत्म होते ही 8 मिनट तक तालियां बजती रही थी।

अमोल पालेकर की याचिका पर कोर्ट ने भेजा केंद्र को नोटिस, अभिनेता ने आईटी नियमों को दी हैं चुनौती

दिग्गज फिल्म अभिनेता अमोल पालेकर देश में चल रहे समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखते हैं। उन्होंने हाल ही में, सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। इस मामले में उनकी ओर से एक जनहित याचिका दायर की गई, जिस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

याचिका में क्या कहा गया है?

सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 का जिक्र करते हुए अमोल पालेकर की याचिका में कहा गया है कि ये आईटी नियमों के खिलाफ हैं, जिससे कलाकारों की स्वतंत्रता का हनन होता है। याचिका में कहा गया है कि ये नियम सरकार को 'सुपर सेंसर' करने और किसी भी कंटेट पर रोक लगाने की पूरी ताकत देते हैं। नियम दर्शकों को अपनी इच्छा के अनुसार कंटेट को देखने से भी रोकते हैं। साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारोबार करने के अधिकार पर भी असर डालते हैं।

अगस्त में होगी सुनवाई

अमोल पालेकर की याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर दिया है। इस मामले पर अगली सुनवाई अगस्त महीने में की जाएगी। बता दें कि कई लोगों द्वारा आईटी नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाएं दाखिल की गई है। उन सभी की सुनवाई भी अमोल पालेकर की याचिका के साथ ही की जाएगी। मालूम हो कि अदालत में अमोल पालेकर का पक्ष नित्या रामकृष्णन रख रही हैं।

आशुतोष को लगा था एक दिन भी नहीं टिकेगी शादी, अब 23 साल से हैं साथ

बॉलीवुड में जहां अक्सर कपल के अलग हो जाने की खबरें आती रहती हैं। वहीं, कुछ कपल ऐसे भी हैं, जिन्होंने बखूबी एक दूसरे का साथ निभाया है। आशुतोष राणा और रेणुका शहाणे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के ऐसे ही सबसे लोकप्रिय जोड़ों में से एक हैं। दोनों 25 मई 2001 को शादी के बंधन में बंधे थे। आज यह शादी शुदा कपल खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है। हालांकि, इनकी प्रेम कहानी अपने आप में काफी दिलचस्प रही है। आज दोनों कलाकार अपनी शादी की 23वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस दंपति के दो पुत्र हैं, शौर्यमन और सत्येंद्र। दोनों ने अब तक एक सफल वैवाहिक जीवन बिताया है। हालांकि, एक वक्त ऐसा भी था, जब इन्हें लगा था कि इनकी शादी दो दिनों से ज्यादा नहीं टिक पाएगी। अभिनेता आशुतोष राणा ने एक इंटरव्यू में अपनी प्रेम कहानी का जिक्र किया था। उन्होंने बताया था कि निर्देशक रवि राय से उन्हें रेणुका शहाणे का नंबर मिला, जिन्होंने उन्हें उनके साथ बात करने संबंधी जानकारी भी दी थी। उन्होंने आशुतोष को हिदायत दी थी कि रात 9 बजे के बाद उन्हें फोन ना करें। हालांकि, आशुतोष ने 10 बजे फोन किया और दोनों ने काफी बात की और फिर बिना मिले रोजाना बात करने का यह सिलसिला चल पड़ा।आशुतोष को

कविताएं काफी पसंद हैं, जबकि रेणुका को कविता बिल्कुल भी पसंद नहीं है। इस पर आशुतोष ने कहा था कि वह उन्हें खोना नहीं चाहते थे। उन्हें डर था कि अगर उन्होंने रेणुका को प्रपोज किया और वो ना कर दें तो दोस्ती भी टूट जाएगी। वह उन्हें दोस्त के रूप में खोना नहीं चाहते थे। इसलिए उन्होंने पहली बार प्यार पर कविता लिखी और उन्हें सुनाई थी। इसके बाद रेणुका ने भी उनसे प्रेम का इजहार कर दिया। आशुतोष ने कहा था कि दोनों पहले शादी नहीं करना चाहते थे। उन्हें डर था कि वह शादी के बाद बदल जाएंगे।

एक बार पुराने इंटरव्यू में रेणुका ने बताया था कि उनके रिश्तेदारों को लगता था कि उनकी शादी एक महीने भी नहीं टिक पाएगी। सभी इस शादी से आशंकित थे क्योंकि आशुतोष का पारिवारिक बैकग्राउंड बिल्कुल अलग था। जहां रेणुका महाराष्ट्र से थीं, वहीं आशुतोष मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव के रहने वाले थे। उनका परिवार भी बहुत बड़ा था. अभिनेत्री ने कहा कि रेणुका के परिवार वाले इस बात को लेकर चिंतित थे कि वह उनकी संस्कृति को अपना पाएगी या नहीं।रेणुका शहाणे की यह दूसरी शादी थी। आशुतोष से पहले उनकी शादी विजय केनकरे से हुई थी। वह मराठी फिल्म उद्योग में एक प्रसिद्ध लेखक और निर्देशक हैं। यह शादी ज्यादा दिन नहीं टिक सकी थी। कुछ समय बाद ही दोनों का तलाक हो गया था। इसलिए आशुतोष राणा से शादी करने से पहले उन्हें बहुत सावधान रहना पड़ा। शादी को लेकर उनके मन में काफी डर बना हुआ था। उन्हें डर था कि यह शादी टिकेगी या नहीं। हालांकि, रेणुका और आशुतोष ने सभी अटकलों को गलत साबित कर दो दशकों से अधिक समय से एक खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं।

इललीगल के आगामी सीजन को लेकर उत्साहित हैं नेहा शर्मा और नील भूपलम, अपने किरदार को लेकर किया खुलासा

अभिनेत्री नेहा शर्मा और नील भूपलम अपनी आगामी सीरीज इललीगल सीजन 3 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ओटीटी एक बार फिर अपना एक लीगल शो लेकर आ रहा है। इललीगल के पहले दो सीजन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन कराया। ऐसे में दर्शकों को इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। इललीगल के सीजन 3 का 29 मई को जियो सिनेमा पर प्रीमियर होने वाला है। शो के कलाकार इसे लेकर बेहद उत्सुक हैं। नेहा शर्मा और नील भूपलम इललीगल सीजन 3 को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में शो को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि लोगों को सीजन 3 से बहुत यादा उम्मीदें होंगी, इसलिए मैं थोड़ी नर्वस हूं, लेकिन इसे लेकर मैं बहुत उत्साहित भी हूं। क्योंकि सीजन एक और दो को दर्शकों की तरफ से बहुत प्यार मिला। नेहा सीरीज में वकील निहारिका सिंह के किरदार में नजर आएंगी। नील भूपलम ने शो में अपने किरदार के बारे में खुलासा किया। वह पहले दो सीजन में नहीं नजर आए थे। सीरीज के तीसरे सीजन से वह इसका हिस्से बनने जा रहे हैं, जिसे लेकर वे बेहद उत्सुक हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताया, यह मेरे लिए शो में एंट्री है। मैं एक बिजनेस टाइकून दुष्यंत सिंह राठौड़ का किरदार निभा रहा हूं।

सोनी इंडिया के एमडी और सीईओ एनपी सिंह देंगे इस्तीफा, 25 वर्षों से जुड़े हैं कंपनी के साथ

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के एमडी और सीईओ एनपी सिंह ने अपना पद छोड़ने की घोषणा की है। सिंह ने एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा, आज मेरे पास साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट है। मैंने एमडी और सीईओ के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ने का फैसला किया है। 25 साल तक कंपनी से जुड़े रहने के बाद वह अपने पद से हटने का फैसला किया है। अपने 44 वर्ष के करियर में एनपी सिंह ने 25 वर्ष कर सोनी पिक्चर्स के साथ काम किया है।

सामाजिक परिवर्तन पर करेंगे ध्यान केंद्रित एनपी सिंह ने कहा कि अब वह सामाजिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। साथ ही वह अब परिचालन भूमिकाओं से सलाहकार भूमिकाओं में जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, एसपीएनआई और इसकी सफलता के प्रति मेरी प्रतिबद्धता मजबूत बनी हुई है। यहां मेरे कार्यकाल के दौरान, हमने उद्योग के मानक स्थापित किए हैं। अपनी पहुंच का विस्तार किया है। साथ ही कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हूं कि सफलता की हमारी विरासत जारी रहे और नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़े। **नए एमडी-सीईओ के मिलने तक कंपनी में रहेंगे सिंह** कंपनी ने जानकारी दी है कि उन्होंने अपने अगले एमडी और सीईओ पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। मगर जब तक कंपनी को पदभार संभालने के लिए सही व्यक्ति नहीं मिल जाता है, एनपी सिंह तब तक कंपनी में बने रहेंगे। वे सलाहकार की भूमिका में आ रहे हैं और उत्तराधिकारी की तलाश कर रहे हैं।

बॉलीवुड में एंट्री मारने वाली हैं संयुक्ता, जवान और एनिमल से भी है फिल्म का कनेक्शन

दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर चुकी हैं। इसके उलट बॉलीवुड कलाकार भी साउथ की फिल्मों में एंट्री मार रहे हैं। इसी सिलसिले में अब एक और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हिंदी सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में काजोल भी काम करेंगी।

संयुक्ता करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में काजोल, नसीरुद्दीन शाह और प्रभु देवा भी काम करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म से डेब्यू केवल संयुक्ता का ही नहीं होगा, बल्कि चरण तेज उप्पलपति की भी यह पहली हिंदी फिल्म होगी, जिसका वो निर्देशन करेंगे। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी।

फिल्म से जुड़े इंडस्ट्री के कई बड़े नाम

रिपोर्ट्स की मानें तो अलग-अलग क्षेत्रों के कई बड़े चेहरे इस फिल्म से जुड़ चुके हैं। इनमें अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म पुष्पा 2 के एडिटर नवीन नूली, रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल के संगीत निर्देशक हर्षवर्द्धन रामेश्वर और शाहरुख खान और नयनतारा की सुपरहिट फिल्म जवान के डीओपी जीके विष्णु के नाम शामिल हैं।

मलयालम फिल्म से किया था संयुक्ता ने डेब्यू

संयुक्ता ने मलयालम फिल्म पॉपकोर्न से अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वो मुख्यतः तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने बिंबिसार, भीमला नायक और विरुपाक्ष समेत कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है। अब देखना होगा कि संयुक्ता का बॉलीवुड डेब्यू कैसा रहेगा और दर्शक उनके काम को पसंद करेंगे या नहीं।

60 की उम्र में आशीष विद्यार्थी का आया था रुपाली पर दिल, शादी की सालगिरह को पूरे हुए एक साल

बॉलीवुड फिल्मों में ज्यादातर खलनायक का रोल निभाने के लिए मशहूर आशीष विद्यार्थी ने ठीक 1 साल पहले यानी कि 25 मई 2023 को रुपाली बरुआ संग दूसरी शादी रचाई थी। शादी के बाद से ही आशीष चर्चा में है और हो भी क्यों ना आखिर 60 साल की उम्र में उन्होनें जिंदगी की नई सफर की शुरुआत जो की थी। कई बार दूसरी शादी को लेकर एक्टर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा था। आज आशिष और रुपाली की शादी को पूरे एक साल हो गए हैं। दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी में बेहद खुश हैं। आशीष विद्यार्थी ने बीते साल आज ही के दिन 25 मई को रुपाली बरुआ संग कोर्ट मैरिज की थी। आशीष ने पहली पत्नी राजोशी विद्यार्थी को तलाक देकर रुपाली से दूसरी शादी की थी। आशीष और रुपाली की शादी कोलकाता में हुई थी। शादी में आशीष ने ऑफ व्हाइट कुर्ते के साथ लुंगी पहनी थी। तो वहीं रुपाली व्हाइट शेड की साड़ी में काफी ज्यादा खूबसूरत दिखीं।

आशीष और रुपाली की उम्र में पूरे 10 सालों का फासला है। आशीष विद्यार्थी 61 साल के हैं, वहीं रूपाली बरुआ 51 की हैं। भले ही दोनों की उम्र ज्यादा है लेकिन दिल तो बच्चा है जी। 51 की उम्र में भी रुपली बेहद जवान दिखती हैं। गुवाहाटी की रहने वाली रूपाली का स्टाइल भी किसी बॉलीवुड हसीना से कम

नहीं है। रुपाली इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टा पर उनके 19 हजार से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। रुपाली अक्सर बॉलीवुड गानों पर रील्स बनाती रहती हैं। डांस का रुपाली को कितना शौक है ये आप उनके इंस्टाग्राम वीडियोज में देख सकते हैं। वो अक्सर इंस्टा पर अलग-अलग गानों पर डांस की रील्स साझा करती रहती हैं। बता दें कि रुपाली फैशन इंडस्ट्री से ताल्लुख रखती हैं, जिनका कोलकाता में एक फैशन स्टोर भी है।

आशीष विद्यार्थी फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने कई भाषाओं में काम किया है। अपने नेगेटिव किरदारों से दर्शकों को डराने वाले आशीष विद्यार्थी वो एक्टर हैं, जिन्होंने 11 भाषाओं में अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाया है। आशीष ने अब तक हिंदी, मराठी, इंग्लिश, ओड़िया, बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है।

आशिष विद्यार्थी की वेब सीरीज रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड सीरीज ओटीट पर रिलीज हुई थी। यह 25 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हुई थी। इस सीरीज में लारा दत्ता, जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा और आशीष विद्यार्थी जैसे कलाकार नजर आए। संतोष सिंह के निर्देशन में बनी यह वेब सीरीज सच्ची घटनाओं पर आधारित एक काल्पनिक नाटक है।

रेडियो अनाउंसर से कैसे बने बॉलीवुड में सुपरस्टार सुनील दत्त उनकी जिंदगी के दिलचस्प किस्से

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त की आज पुण्यतिथि है। उनको गुजरे जमाना हो गया, लेकिन आज भी दर्शकों के दिलों में यादें ताजा हैं। सुनील दत्त अभिनेता होने साथ-साथ बॉलीवुड के मशहूर स्टार संजय दत्त के पिता भी हैं। आइए आज आपको सुनील दत्त के बारे में कुछ अनसुनी बातें बताते हैं।

सुनील दत्त का नाम बॉलीवुड के मशहूर सितारों में शामिल है, लेकिन उनके लिए यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। खुर्द झेलम में जन्मे सुनील दत्त जब पांच साल के थे तभी उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। लखनऊ से उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की थी। कम ही लोगों को पता होगा सुनील दत्त का असली नाम बलराज दत्त था, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अपना नाम बदल कर सुनील दत्त रख लिया था।

फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम कमाने से पहले सुनील दत्त सीलोन रेडियो में काम करते थे। लोग उनकी आवाज के दीवाने हुआ करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे अपनी पत्नी और अभिनेत्री नरगिस दत्त से पहली बार एक रेडियो इंटरव्यू के दौरान मिले थे। सुनील दत्त को नरगिस का इंटरव्यू करना था, लेकिन वे अभिनेत्री के सामने कुछ भी बोल नहीं पाए थे। सुनील दत्त ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू फिल्म रेलवे स्टेशन से किया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया, लेकिन बतौर हीरो उन्हें नाम और शोहरत उन्हें फिल्म मदर इन्डिया से मिली थी। सुनील दत्त के बारे में एक बात मशहूर है कि वे अपनी फिल्मों में डाकू का किरदार निभाते थे। सूत्रों की मानें तो सुनील दत्त बीस फिल्मों में डाकू बने थे। उनके बारे में कहा जाता है कि वे डाकू बनकर दर्शकों के दिलों को लूट ले जाते थे।

सुनील दत्त की मशहूर फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 'साधना', 'इंसान जाग उठा', 'मुझे जीने दो' और 'खानदान' सहित कई हिट फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा था। मदर इंडिया के लिए लोग आज भी उन्हें और नरगिस दत्त को याद करते हैं। इसी सेट से दोनों की प्रेम कहानी की शुरुआत हुई थी।

दमोह जिले में दिन में हटाया अतिक्रमण

अब रात में भी एक्टिव नजर आया शासन प्रशासन किया लाखों का सामान जब्त

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, शहर में हटाए जा रहे हैं अवैध अतिक्रमण के बाद भी लोगों को बार बार समाझाइश देने के बाद और सामान जब्त कर चालानी के कार्रवाई भी की गई लेकिन दमोह जिले की जनता सुधर ने का नाम ही नहीं ले रही है ऐसा ही आज देखने मिला बालाजी मार्केटिंग नाली और रोड के दस फिट तक पर सामान रखकर विक्रय करने पर आज़ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के आदेश पर लाखों के कूलर और अन्य सामग्री जब्त की गई है और बालाजी मार्केटिंग के ऊपर यह कुछ दिनों में दूसरी कार्यवाही है जिस में शासन प्रशासन के समस्त लोग दल बल के साथ उपस्थित रहे तहसीलदार मोहित जैन,सीएमओ नगर पालिका सुषमा धाकड़, टीआई कोतवाली आनंद सिंह, यातायात थाना प्रभारी दलबीर सिंह मार्को, रितु पुरोहित, एएसआई रमाशंकर मिश्रा और पुलिस बल की मौजूदगी. और नगर पालिका सीएमओ और तहसीलदार मोहित जैन के द्वारा कहा गया कि यह कार्यवाही कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के आदेश पर अब निरन्तर ऐसी ही चलेंगी जब लोग स्वयं लोग जागरूकता का परिचय नहीं दे रहे हैं तो हम लोगों को भी कठोर निर्णय लेकर इस तरह की कार्यवाही करने विवष है.

हिंडोरिया थाने के बिलाई चौकी के अंतर्गत ग्राम रौड़ा में एक साथ तीन मौत

पत्नी एवं दुधमुही बच्ची की हत्या कर आरोपी स्वयं फांसी पर झूला

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, हिंडोरिया थाना अंतर्गत आने वाली छापरी ठाकुर ग्राम पंचायत के गांव रौंड़ा में एक विक्षिप्त युवक ने अपनी पत्नी एवं दूधमुही बच्ची की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या कर दी। एवं उसके बाद स्वंय फांसी लगा ली। प्राप्त जानकारी से ज्ञात हुआ है कि ग्राम रौंड़ा मे खेर माता जी के बगल में रहने वाले मनोज पटेल पिता कोमल पटेल 26 वर्ष ने किसी अज्ञात कारण बस अपनी पत्नी सोमा बाई पटैल 24 वर्ष एवं बच्ची देविका पटेल 6 माह की कुल्हाड़ी से गर्दन पर प्रहार कर हत्या कर दी। एवं स्वंय ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। पता चला है कि उपरोक्त युवक मनोज मानसिक रूप से कमजोर था । एवं उसके माता-पिता उसे कभी अकेला नहीं छोड़ते थे। शुक्रवार की शाम लगभग 04 बजे के आसपास उनके पिता कोमल पटेल खेती-बाड़ी के काम से खेत पर गए हुए थे ! उनके साथ मे मनोज की ही एक पुत्री भी साथ गई हुई थी । जबकि मनोज की दूसरी पुत्री गांव में कहीं खेल कूद रही थी । मां भी घर पर नहीं थी। इसी दौरान मनोज ने यह वारदात कर डाली । एवं स्वयं घर में ही फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ये भी पता चला है कि मनोज की शादी 7-8 वर्ष पूर्व मडियादो मे हुई थी। शादी के बाद मनोज की तीन बच्चियों भी थी । घटना की सूचना पाकर हिंडोरिया पुलिस टीआई अमित गौतम अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच चुके हैं । घटना की वास्तविक वास्तविक स्थिति विवेचना के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

दमोह में लुटेरी दुल्हन गैंग का हुआ पर्दाफास

दमोह जिले के हटा थाना ने किया पर्दाफास

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, दमोह पुलिस कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिये असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों पर लगातार कार्यवाही कर रही है इसी कड़ी में थाना हटा अंतर्गत् हटा के एक युवक द्वारा थाना पर शादी करके दुल्हन पर संदेह होने पर शिकायत की थी। मामले की जॉच पर पाया गया कि उक्त युवक ने दिनॉक 20.05.2024 को रेखा तिवारी निवासी बकरी जिला सतना से (बताये अनुसार) बांदकपुर से शादी कर ली थी। जो शादी के ऐवज में 1,50,000 रूपये लिये थे। जो शादी करके उक्त महिला रात्रि मे घर से भागने हेतु उक्त महिला अपने भाई की झूठी ऐक्सीडेंट की घटना होने की बात कहकर अकेली जाने की कहने लगी तब उक्त परिवार को महिला के आचरण पर संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी उक्त महिला के आधार कार्ड की सत्यता की जाँच की गयी तो उस आधार कार्ड के नाम का कोई व्यक्ति नही होना पाया गया। जो उक्त महिला (उमा लोधी असल नाम) से पूछताछ पर उसके साथ गिरोह में शामिल सचिन तिवारी, मोहित सोनी और रम्मू लोधी का नाम सामने आये है जिनके विरूद्ध अंतर्गत् धारा 420 465 468 471 120 बी भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की जाँच करने पर पाया गया कि उक्त महिला अपने गिरोह के सहयोग पैसों के ऐवज में ऐसे व्यक्तियो से शादी करती है जिनकी शादी नही हो रही हो। ऐसे ही से गिरोह का पर्दाफास पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन तथा एसडीओपी नितेश पटेल के मार्गदर्शन में हटा पुलिस के द्वारा किया गया है।

आरोपियों के नाम
01. रेखा तिवारी
02. सचिन तिवारी
03. मोहित सोनी
04. रम्मू लोधी
05. दीनदयाल पाण्डेय

उक्त पर्दाफास में सराहनीय भूमिका रही अधिकारियों एवं कर्मचारियों नामः थाना प्रभारी हटा, थाना प्रभारी कुम्हारी उनि रोहित द्विवेदी, थाना प्रभारी रजपुरा उनि. धर्मेन्द्र गुर्जर, थाना प्रभारी गैसाबाद उनि विकास चौहान उनि बलबंत हजारी थाना पटेरा सायवर टीम दमोह एवं थाना स्टाफ हटा।

पूर्व में अतिक्रमण मुक्त भूमि पर दबंगों ने फिर से किया कब्जा

परेशान ग्राम वासी तहसीलदार के पास पहुंचे

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, दबंगों ने आम रास्ता सहित शमशान जाने का रास्ता किया बंद जहां पूरे जिले में कलेक्टर के आदेश पर अतिक्रमण हटाया जा रहा है वही तेंदूखेड़ा के सेलवाड़ा में दबंगों ने आम रास्ते पर और शमशानघाट जाने वाली रास्ते पर अतिक्रमण कर लिया है हम आपको बता दें कि इस जगह को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया था लेकिन दबंगों ने यहां फिर से कब्जा कर लिया है यहां पर 100 वर्ष पुराना आम रास्ता है, जहां पर दबंगों के द्वारा कब्जा किया गया है, यहां पर ज्यादातर आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं. पूर्व में भी लोग ज्ञापन दे चुके हैं और प्रशासन ने कार्रवाई भी की थी लेकिन दबंगों ने यहां पर पुनः कब्जा कर लिया है, आर आई और पटवारी की टीम मौके पर सीमांकन करने पहुंची थी सीमांकन के बाद दबंगों से आर आई पटवारी ने कब्जा हटाने की समझाएं दी थी और दबंग मान भी गए थे लेकिन आर आई पटवारी के जाने के बाद दबंगों ने कब्जा नहीं छोड़ा दबंग लगातार ग्राम वासियों को धमका रहे हैं अगर कहीं शिकायत करोगे तो तुम लोगों के हाथ पैर तोड़ देंगे ग्राम वासियों ने तहसीलदार से निवेदन कर आम रास्ता और शमशान भूमि पर किए कब्जे को तुरंत हटाए जाने के लिए निवेदन किया है ग्राम वासियों ने दबंगों से जुर्माना वसूल करने का निवेदन भी किया है.

मध्य प्रदेश के कटनी में 26 माई को होगा वृहद कार्यशाला टेक्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन

कार्यक्रम में कटनी समेत जबलपुर आयकर अधिकारी मौजूद

सुनील यादव। सिटी चीफ।

कटनी,कटनी जिले माधवनगर स्थित निजी होटल में आगामी 26 माई को एक वृहद कार्यशाला टेक्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में आयकर आयुक्त जबलपुर शांतम बोस, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पवन मित्तल, सचिव सुधीर मिश्रा के अलावा टेक्स बार एसोसेशन कटनी सी ए सी पी ई चेप्टर के अशोक जैन एवं सचिव कोशल राजपूत प्रतिनिधित्व करेंगे। 26 माई को होने जा रहे वृहद कार्यशाला टेक्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन के बारे में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पवन मित्तल व सचिव सुधीर मिश्रा ने बताया की इस कार्यक्रम को टेक्स बार एसोसेशन कटनी सी ए सी पी ई चेप्टर के अशोक जैन एवं सचिव कोशल राजपूत प्रतिनिधित्व करेंगे और इसका संचालक सुधीर मिश्रा, के के शर्मा एवं अन्य करेंगे। इस कार्यकर्म में जी एस टी विभाग से प्रकाश सिंह बघेल एवं जी एस चौहान, राजेश पुराबिया और आयकर विभाग से आर एन भारती, अनिल जार, आशुतोष चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित होंगे साथ ही दिल्ली के टेक्स ग्रुप के एक्सपर्ट राजेंद्र अरोरा और इंदौर से पंकज शाह और जबलपुर के वरिष्ठ कर सलाहकार गणेश पुरोहित कार्यक्रम में सहभागिता होगी। इस कार्यक्रम को लेकर कटनी जिले के व्यापारियों कर सलाहकार एवं अन्य वर्ग से उत्साह देखा जा रहा है।

प्रेम प्रसंग के चलते जीजा ने पत्थर से मार मार कर अपने ही साडू को उतारा मौत के घाट

बिलपुरा टिकुरिया मोड़ पर मिला था नव युवक का शव

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ।

पन्ना, पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा ने आज दिनांक 23 मई को प्रेस कांफ्रेंस के जरिए बिलपुरा टिकुरिया मोड़ पर मिले नव युवक के शव का खुलासा करते हुए बताया है कि दिनांक 18 वा 19 मई की रात एक अज्ञात शव की सूचना पुलिस को राहगीरों द्वारा मिली थी कि एक अज्ञात शव रोड पर पड़ा हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को लेकर रैपुरा शव विच्छेदन गृह में रखाया गया। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह शव की पहचान गंभीर आदिवासी उर्फ गुड्डू पिता अर्जुन सिंह उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी बीरमपुरा के रूप में हुई। पिता अर्जुन आदिवासी के अनुसार शाम को उसका बेटा घर पर ही एक रिश्तेदार के साथ था। उसने सबके साथ घर पर खाना खाया इसके बाद पिता अरहर की खेती ताकने के लिए अपने खेतों की तरफ चले गए। इसके बाद से ही रेपुरा पुलिस की टीम जिसमें मुख्य रूप से थाना प्रभारी मनोज कुमार यादव एवं पूर्णानंद मिश्रा के द्वारा जांच जारी थी इसके बाद पता चला कि प्रेम प्रसंग के चलते जीजा ने अपनी साली के साथ हत्या की साजिश रचाई और सुनसान जगह पर ले जाकर गंभीर आदिवासी उर्फ गुड्डू को पत्थर से मार मार कर मौत की घाट उतार दिया वही इस पूरी घटना को अंजाम देने की साजिश रचने वाले जीजा साली को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खोज निकाला है वही घटनाक्रम में पुलिस ने मृतक की पत्नी को भी साक्ष्य छुपाने के लिए आरोपी बनाया है तथा उसे भी न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पत्नी चोरी छिपे मोबाइल से अपने जीजा से बात करती थी। मोबाइल फोन भी उसके जीजा ने चोरी से दिलाया था जिसे मृतक ने पत्नी के पास पकड़ लिया था। इसकी के बाद मृतक के साडू ने इसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई जिसमे कही न कहीं मृतक की पत्नी भी शामिल थी। क्योंकि पुलिस के पूछने पर उसके साक्ष्य छुपाने का प्रयास भी किया।

केदों की तलैया क्षेत्र स्थित एवं ग्राम तिदौनी में बाल के सम्बन्ध में लगभग 50 परिवारों को दिया गया परामर्श

भिक्षा वृत्ति व पन्नी बीनने से बालकों को रोक

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन में शहर के मध्य स्थित केदों की तलैया क्षेत्र स्थित परिवारों को बाल भिक्षा वृत्ति व पन्नी बीनने से बालकों को रोकने के सम्बन्ध में लगभग 50 परिवारों को परामर्श दिया गया। जिसमे महिला एवं बाल विकास विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, अशासकीय संगठन निताई समूह द्वारा क्षेत्र में रहने वाले लगभग 50 परिवारों को एकत्रित कर उन्हें अपने बालकों को बाल भिक्षा वृत्ति, पन्नी बीनने का कार्य, बाल श्रम इत्यादि के सम्बन्ध में परामर्श दिया गया। इसी क्रम में ग्राम तिदौनी में भी सभी परिवारों को समझाइस दी गई कि बच्चों को बाल भिक्षा वृत्ति में न जोड़ते हुए शिक्षा से जोड़ें। उन्हें शासन की योजनाओं से अवगत कराते हुए बताया गया कि वे अपने बालकों का जीवन जोखिम में न डालते हुए शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ें, जिसमे जिला प्रशासन उनकी पूरी मदद करने को तैयार है। वहां उपस्थित जनों ने भी अपनी सहमति प्रशासन की इस मुहिम हेतु दी। इस तरह से समझाइस की गतिविधि हॉट स्पॉट पाकेट्स पर टीम द्वारा जाकर की जा रही है। ज्ञात हो विगत दिनों कलेक्टर श्री कोचर द्वारा जिले में बाल भिक्षा वृत्ति, पन्नी बीनने वाले, श्रम करने व अन्य विषम परिस्थिति में निवास करने वाले बच्चों के सम्बन्ध में जिला स्तरीय टास्क फ़ोर्स का गठन किया है।

गृह क्लेश के चलते युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

देवबंद, क्षेत्र के गांव शाहपुर में पारिवारिक कलह से जूझ रहे एक युवक ने फांसी के फंदे पर लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जिसकी सूचना मिलते ही देवबंद कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मिली जानकारी के अनुसार तल्हेडी बुजुर्ग क्षेत्र के गांव शाहपुर निवासी सचिन पुत्र तेल्हू राम उम्र करीब 29 वर्ष ने अपने ही घर में फांसी के फंदे पर लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि काफी देर तक सचिन का दरवाजा ना खुलने से सभी ग्रामीण अचंभित थे। जिसके बाद काफी देर तक दरवाजा खटखटाया लेकिन दरवाजा नहीं खुला। उसके बाद मृतक के चचेरे भाई अश्विनी पुत्र गुलशन ने घर में ताककर देखा तो सचिन का शव फांसी के फंदे पर झूल रहा था। जिसे देखकर अश्विनी की चीख निकल गई और आस-पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार और चौकी प्रभारी अजय कसाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया। तत्पश्चात पुलिस से सचिन की मौत की सूचना पाकर ससुरालप क्ष के लोग और मृतक की पत्नी सुषमा भी बच्चों के साथ शाहपुर पहुंच गए। जिन्हें देखकर सचिन के परिजन गुस्से में तिलमिला उठे और उन्होंने ससुराल पक्ष के लोगों को सचिन की मौत का जिम्मेदार बताते हुए पुलिस की मौजूदगी में उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत किया। ग्रामीणों ने बताया कि सचिन मेहनत मजदूरी का कार्य करके अपने तीन बच्चों दो लडकी और एक लड़के का लालन-पालन करता था लेकिन कुछ समय से उसकी पत्नी के साथ अनबन होती रहती थी। जिससे प्रताड़ित होकर सचिन ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पहले मृतक सचिन की मां का स्वर्गवास हो गया था और विगत वर्ष पिता तेल्हूराम की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि मृतक सचिन के शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

14 साल बाद भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत आज अदालत में पेश हुए

वहां उन्हें सरेंडर के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर. सहारनपुर के सरसावा में जाम लगाने और बिना अनुमति सम्मेलन के मामले में 14 साल बाद भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत आज अदालत में पेश हुए। वहां उन्हें सरेंडर के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। सहारनपुर के सरसावा में जाम लगाने और बिना अनुमति सम्मेलन के मामले में 14 साल बाद भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत आज अदालत में पेश हुए। उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई है। चौधरी नरेश टिकैत सुबह ही भाकियू कार्यकर्ताओं के साथ रोहाना टोल से सहारनपुर के लिए रवाना हुए थे। बड़ी संख्या में भाकियू समर्थक उनके साथ सहारनपुर पहुंचे। बता दें कि 14 साल पुराने मामले में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत आज जमानत के लिए सहारनपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम देवांश त्रिपाठी की अदालत में पेश हुए। उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई है। उनके साथ दो गवाह और दो वकील भी साथ थे जबकि, बड़ी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता कचहरी परिसर से बाहर थे। एमपी- एमएलए कोर्ट ने भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत के वारंट जारी किए थे। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा को आदेश दिए थे कि नरेश टिकैत को गिरफ्तार कर 24 मई को अदालत में पेश करें। सरसावा थाने में 20 मई 2010 को मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोपियों पर धारा 147, 283 और 341 आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। सहारनपुर के दिल्ली रोड स्थित रंगोली गार्डन पहुंचे भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि हम अदालत का सम्मान करते हैं। अदालत ने जो आदेश दिया उसका पालन कर रहे हैं। मुकदमे में नरेश टिकैत, इमरान मसूद, वीरेंद्र, राज सिंह, राजकुमार, सुशील चौधरी, मुकेश चौधरी, ओमी पंवार, वीरेंद्र शास्त्री, सलमान मसूद, नरेश टिकैत, अब्दुल वाहिद, प्रदीप, राजपाल, वीरेंद्र सिंह, प्रवेश गुर्जर, प्रीतम सिंह, जसंवत, मेला राम पंवार, पप्पू, वीरेंद्र, चरण सिंह, अशोक, बलजीत सिंह और अशोक चौधरी नामजद किए गए थे।

प्रेम प्रसंग में साथी छात्रों ने युवक की करी हत्या

मुख्य आरोपी और उसके दो अन्य साथि गिरफ्तार

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, दो दिन के भीतर प्रेम प्रसंग को लेकर हत्या का दूसरा मामला सामने आया है। पहले मामले में एक तरफा प्यार करने वाले युवक ने दो दिन पहले 22 वर्षीय युवती मानवी की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला थाना नागल क्षेत्र का हैं जहां दो छात्र एक ही लड़की से प्यार करते थे। दूसरे ने पहले प्रेमी की अपने दो साथियों के साथ गला रेतकर हत्या कर दी। थाना नागल पुलिस ने आज मुख्य आरोपी और उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी मयंक सैनी पुत्र सतीश सैनी और अनुसूचित जाति के उसके दो साथियों बिट्टू पुत्र रंजीत सिंह और बोबी पुत्र मांगेराम को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एसपी देहात सागर जैन ने पुलिस लाइन के सभागार में

बताया कि पिंकी पुत्र सोम सिंह गांव निवासी ताजपुर थाना नांगल में लिखित तहरीर देकर प्रेम प्रसंग के चलते युवती की हत्या किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में ओम सिंह, ललित, पिंटू, सचिन, विनिश और मोनू पर आरोप लगाया था कि उनके लड़के गौरव की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि पुलिस ने जब इस मामले की तफ्तीश की तो पता चला कि यह हत्या नामजद आरोपियों द्वारा नहीं की गई है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला है। मयंक सैनी और गौरव दोनों एक ही लड़की से मोहब्बत करते थे। लड़की और दोनो युवकों ने 2022 में जनता इंटर कालेज नागल से इंटर की परीक्षा पास की थी। वर्तमान में वह लड़की और मयंक सैनी नागल से बीए प्रथम वर्ष के छात्र हैं जबकि गौरव इंद्रप्रस्थ कालेज से पोली टेक्नीक की पढ़ाई कर रहा था। पिछले साल गौरव और लड़की का रिश्ता भी तय हो गया था लेकिन दीपावली के बाद रिश्ता टूट गया और दोनों की बातचीत भी बंद हो गई। मयंक सैनी ने पुलिस को बताया कि वह भी उस लड़की से प्रेम करता था। एक पखवाड़ा पहले ही उसे पता चला कि गौरव और उस लड़की के बीच फिर से संपर्क में आ गया है। इससे उसे बड़ा धक्का लगा और उसने अपने साथी बिट्टू और बोबी के साथ मिलकर 22 मई की रात 9-10 बजे गांव ताजपुर मार्ग पर गौरव की चाकुओं से वार कर हत्या कर दी। तीनों ने उसके गले को चाकू से रेत दिया। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया जिन्होंने इस मामले में पुलिस टीम की जांच में अगुवाई की थी ने बताया कि पूछताछ में मयंक सैनी काफी देर तक पुलिस को गुमराह करता रहा। उसका कहना था कि वह तो लड़की को अपनी बहन मानता है। उसने गौरव की इसलिए हत्या की कि वह उसकी बहन से मोबाइल पर बातचीत करता था। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि छात्रा ने भी पूरे मामले की पुष्टि की है। उसके मुताबिक मयंक सैनी भी उससे प्यार करता था और उसे उसके और गौरव के बीच संबंधों पर कड़ी आपत्ति थी। एसपी देहात ने बताया कि गौरव की हत्या में सही अभियुक्तों का खुलासा हो जाने के कारण गौरव के परिजनों द्वारा कराई गई नामजदगी निरस्त की जाती है। लड़की समेत उसके परिजनों की गौरव हत्याकांड में कोई संलिप्तता सामने नहीं आई है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से चाकू और मोटर साइकिल बरामद की है।

मैन चौराहे पर चोरों ने की लाखो की चोरी... पुलीस हाथ मलती रही...

राणापुर नगर में मुख्य चौराहे पर लगी अंबेडकर प्रतिमा के पास मयक दवे की किराना दुकान पर रात्रि दो से तीन बजे के दरम्यान चोर ने आगे से शटर उठाकर करीब तीन लाख रुपए नकदी पर हाथ साफ कर दिया।नगर के प्रमुख चौराहे पर हुई वारदात से पुलीस पर निशानिया सवाल उठ रहे है।

घटना के बाद टी आई तो औपचारिकता निभा गए पर बिट प्रभारी या उनके साथी को घटना के 10घंटे बाद भी घटना स्थल पर आकर पंच नामा बनाने की फुर्सत नही मिली।सी सी केमरे की नजर में आए धुंधले चेहरे से अनुमान लगाया जा रहा ही की पुड़िया पीने वाला व्यक्ति ही हो सकता है।जब से टी आई पदस्थ हुए है घटनाओं का ग्राफ ऊंचाई पर पहूचा है। सिमंधर धाम पर हुई चोरी का पता लगा,चोर भी पकड़ाए पर उसके बाद कार्यवाही झूल रही है।कुछ चरणदास चाटुकारों को पुलिस ग्रुप में जोड़ रखा हे सही स्थिति बताने वाले को ग्रुप से हटा दिया जाता है। सटोरियो के बढ़ते कारोबार एवं नशे की रोकथाम के लिए पुलिस नाकामयाब सिद्ध हो रही है।निगरानी यासा और सट्टा किंग दफतर में चाय की चुस्कियां लेते नजर आते है। नगर के कितने ही चौराहों तिराहों पर फल फरूट की ठेला गाड़ियों की आड़ और सत्ताधिशो के दबाव में धंधा फल फूल रहा है। शहर में कई मोटर साईकिल की चोरी हुई लेकिन पुलिस पता लगाने में नाकाम रही है। अब शहर के मध्य पुराने बस स्टैण्ड के मैन चौराहे पर घटना हो जाती ही तो अन्य गलियों का भगवान ही मालिक होगा।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता....मेडिकल कॉलेज की पार्किंग में छिपाई अवैध शराब से भरी कार, 10 लाख की है कीमत, पुलिस ने की जप्त,एक आरोपी गिरफ्तार

रतलाम शहर की औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने शासकीय मेडिकल कॉलेज की कार पार्किंग से अवैध शराब से भरी एक कार बरामद की है। जब्त शराब का मूल्य 10 लाख रुपए के लगभग बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने जेएमडी ढाबा सचालक प्रिंस टांक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। कॉलेज परिसर में शराब से भरी कार छिपाने का मामला सामने आने पर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात को औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के रहवासी इलाके की पार्किंग से अवैध शराब से भरी कार जब्त की है। कार की तलाशी लेने पर उसमें 60 पेटी देशी शराब, 07 पेटी पॉवर कम्पनी की टिन बियर, 02 पेटी हंटर कम्पनी की टिन बियर मिली। पुलिस ने कार और शराब को जब्त कर लिया है।पुलिस के अनुसार कार सेजावता निवासी बसंतीलाल पिता लक्ष्मीनारायण टांक की है। बसंतीलाल को कुछ समय पूर्व शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मेडिकल कॉलेज परिसर की पार्किंग में खड़ी कार को पुलिसकर्मियों ने पहचान लिया। इसी दौरान बसंतीलाल का 27 वर्षीय बेटा जेएमडी ढाबा सचालक प्रिंस टांक भी वहां संदिग्ध अवस्था में घूमता मिल गया। अत: शराब से भरी कार

जब्त कर आरोपी प्रिंस को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि शराब उसके घर में रखी थी। पकड़े जाने के डर से उसने शराब कार में भर कर उसे मेडिकल कॉलेज की पार्किंग में लाकर खड़ी कर कवर से ढंक दी थी। आरोपी प्रिंट टांक के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।जहां से शराब जब्त हुई वहां से वह डॉक्टरों का रहवासी क्षेत्र हैं। डीन के बंगले के लगभग 50 मीटर की दूरी पर डी-ब्लॉक बहुमंजिला इमारत है जिसके नीचे पार्किंग है। डॉ. शैलेंद्र डाबर गुरुवार शाम को करीब 7 बजे अपनी कार 202 नंबर के पार्किंग एरिया में पार्क करने पहुंचे। वहां पहले से ही एक कार खड़ी थी जो कवर से ढंकी हुई थी। कार के पास से शराब की तेज दुर्गंध भई आ रही थी। इससे उन्होंने अन्य डॉक्टरों के साथ स्थानीय पुलिस चौकी पर भी सूचना दी। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और संदिग्ध कार की जानकारी औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी वर्मा एवं आबकारी विभाग को दी। जानकारी मिलते ही औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी वर्मा भी बल के साथ पहुंच गए और कार को जब्त कर आरोपी खिलाफ कार्रवाई की।

'उल्लास'-नवसाक्षर साक्षरता अभियान में लगातार चौथी बार पुरस्कृत

झाबुआ - को राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक श्री धनराजू एस ने झाबुआ कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण की टीम के अथक प्रयासों से 17 मार्च 2024 को 'उल्लास'-नवभारत साक्षरता मूल्याकंन परीक्षा में लक्ष्य के विरूद्ध 100 प्रतिशत असाक्षरों को सम्मिलित कराया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए झाबुआ जिले को लगातार चौथी बार पुरस्कृत किया गया। झाबुआ के इस सराहनीय कार्य से साक्षरता और सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में जिले की टीम की लगन, समर्पण, निष्ठा एवं किये गये सार्थक प्रयासों की टीम को जिला कलेक्टर नेहा मीना ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि 05 जून के पश्चात साक्षरता कार्यक्रम को पूरे जिले में सघन रूप से संचालित किया जायेगा। झाबुआ जिले के 815 गाँव में व्यवस्थित रणनीति बनाकर कॉलेज एवं स्कूल के बच्चों को एवं समाज के सभी वर्गों एवं सभी विभागों के सहयोग से झाबुआ को पूर्ण साक्षर करने का संकल्पित प्रयास किया जायेगा। 'उल्लास'-नवभारत साक्षरता अभियान के नोडल अधिकारी श्री जगदीश

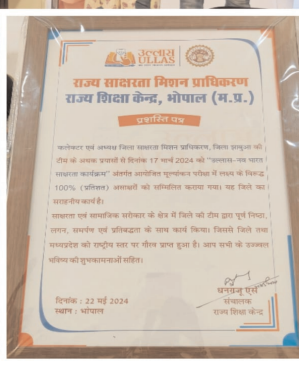

सिसोदिया ने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार 290873 लोग निरक्षर है। उल्लास-नवभारत साक्षरता अभियान के तहत झाबुआ जिले में अभी तक पांच बार परीक्षा आयोजित की गई जिनमें से 201056 से लगभग 157000 लोग उत्तीर्ण हुए है। कलेक्टर नेहा मीना के कुशल नेतृत्व एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में एक सुनिश्चित कार्ययोजना बनाकर कार्य किया गया। इसी की बदौलत आज झाबुआ जिले को पुरस्कृत किया गया है।

क्या पुलिस का खौफ समाप्त हो गया है.....दिन दहाड़े हथियारों के दम पर हुई लूट की घटना यही बया कर रही है.....

शहर के व्यापारी उतरे सड़कों पर नगर बन्द का किया एलान

आलीराजपुर- जिले की जोबट तहसील मुख्यालय पर शुक्रवार को सोनी बाजार में गजेन्द्र सोनी की आर जे ज्वेलर्स की दुकान पर अज्ञात बदमाशो ने हथियारों के दम पर लूट की वारदात को अंजाम देते हुए करीबन पांच किलो के आसपास चांदी के जेवर ले जाने में सफल हुए। अज्ञात बदमाशो के दुकान में घुसते ही सोनी दंपति ने विरोध किया तो बदमाशो ने पिस्टल और फालिया का डर दिखाया और श्रीमती राधिका सोनी को घायल कर दिया जिसको परिजन उपचार हेतु अस्पताल ले गए । मेन बाजार होने से घटना की जानकारी मिलते ही भिड़ एकत्रित हो गई लेकिन बदमाशो को पकड़ नही पाए । पुलिस को जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पुलिस अधिकारी उपस्थित होकर कार्यवाही की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगालने में लग गई । एक सीसीटीवी फुटेज वायरल भी हो रहा है जिसके घटना को अंजाम देकर कुछ अज्ञात बदमाश भागते दिखाई दे रहे है।जोबट शहर में दिन दहाड़े हुई लूट की घटना से हर कोई हतप्रभ है और लोगो में भय उत्पन्न हो गया वही पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा होने लगे है जबकि जिले के पुलिस अधीक्षक काफी एक्टिव नजर आ रहे है वही स्टाफ की निष्क्रियता की चर्चा चौराहे पर

होती दिखाई दे रही है वही बदमशो में पुलिस का खौफ समाप्त होता दिखाई दे रहा है। जोबट क्षेत्र में विगत कई दिनों से चोरों और बदमाशो के द्वारा बेखौफ वारदातो को अंजाम दिया जा रहा है। शहर में हुई इस घटना से शहर के व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त होकर सड़क पर उतर गए और नगर बन्द का एलान भी किया है ऐसी जानकारी मिल रही है। पुलिस अब क्या कार्यवाही करती है आने वाले दिनों में पता चलेगा ।

पंच -ज अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण विशेष अभियान 5 जून 24 से

कुक्षी म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उच्च न्यायालय जबलपुर, म.प्र. के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धार श्री संजीव अग्रवाल के संरक्षण में पंच-ज अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण विशेष अभियान की शुरूआत कुक्षी में भी की जा रही है। इस हेतु तहसील विधिक सेवा समिति सिविल न्यायालय कुक्षी, पर्यावरण दिवस दिनांक 05.06.2024 से स्वतंत्रता दिवस 15.08.2024 तक वृक्षारोपण कार्यक्रम शासन के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित करेगा। इस हेतु जनपद पंचायत, शासकीय विद्यालय, महाविद्यालय , अस्पताल, शासकीय कार्यालय, न्यायालय परिसर आदि में ऐसे स्थानों का चयन किया जावेगा जहां पर पौधों की उचित देखभाल नियमित रूप से की जा सके। पौधों को नियमित रूप से पानी आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जावेगी। इस हेतु जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग, तहसील आदि से स्थानों की सूची मांगी गई है। प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. श्रीमती आरती शुक्ला पाण्डेय के अनुसार पर्यावरण दिवस से नियमित रूप से वृक्षारोपण, शिविरों का आयोजन किया जावेगा जिसमें वन विभाग की सहायता ली जावेगी। इस हेतु सामाजिक संस्थाएं व कार्यकर्ता भी अपना सहयोग प्रदान कर सकते है। उक्त जानकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुक्षी श्री हर्ष राज दुबे ने जारी प्रेस नोट मे दी!

51 वे पूर्णिमा महोत्सव पर भजन कीर्तन के साथ गो सेवा कार्य किया

श्री हरी सत्संग समिति द्वारा मनोहारी भजन प्रस्तुत किए

नानपुर अलिराजपुर जिले के नानपुर में संचालित पंडित कमलकिशोर जी नागर के सानिध्य में जिले की सबसे बड़ी गोपाल गौशाला में हरिसत्संग समिति खट्टाली द्वारा प्रति माह पूर्णिमा पर गो मिष्ठान व हरि चरी व सुंदर भजनों के साथ सहभोज का आयोजन भी किया जाता है । अभी तक प्रति माह अनुसार उक्त कार्यक्रम 51 पूर्णिमा महोत्सव के रूप में मनाया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में श्री रामू भाई माहेश्वरी आंबुआ एवं श्रीमती पूर्वा सारडा जी कोटा (राजस्थान) से गोपाल गौशाला में पधारे एवं गौ माता का दर्शन किया, गो मिष्ठान खिलाया और गौ माता की सेवा का संकल्प लिया । इस अवसर पर हरि सत्संग समिति के गायक राजू भाई कोदे जोबट एवं दिनेश जी लड्ढा एवं श्रीमती पूर्वा सारडा ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए। राम आएंगे .. राम आएंगे.. मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे राम आएंगे..जैसे अनेको सुंदर मधुर भजनों की प्रस्तुति दी । इस कार्यक्रम में मास्टर ऋषि प्रवीण कुमार वाणी (स्वर्गीय श्री लीलाराम जी ठाकुर सा जी के पोते)का गौशाला में जन्मदिन भी मनाया गया। हरि सत्संग के प्रमुख श्री दिलीप धनराज जी परवाल, मदन जी महेश्वरी, दिनेश जी लड्ढा , प्रदीप नगवाडीया, संजय महेश्वरी, अनिल माहेश्वरी ,गोवर्धन राठौड़ ,संतोष राठौड़, मुकेश वर्मा ,मुकेश मेहता ,गोविंद महेश्वरी, संतोष कुमार रामदास वाणी ,वरिष्ठ सीताराम दुलासाजी वाणी, कमलेश वाणी, मुकेश वाणी, महेंद्र सेठ ,मनीष कुमार हीरालाल वाणी, नितिन वाणी ,मनोज वाणी, योगेश वाणी एवं हरि सत्संग समिति महिला मंडल के सभी सदस्य एवं गोपाल गौशाला के सभी सदस्य उपस्थित थे ।अंत मेंआभार तरुण कुमार लीलाराम वाणी ने व्यक्त किया।

राफ़ा में सैन्य आक्रमण तुरंत रोकें, संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने इज़राइल को दिया आदेश

इंटरनेशनल डेस्क- संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों ने शुक्रवार को इज़राइल को दक्षिणी गाजा शहर राफा पर अपने सैन्य हमले को रोकने का आदेश दिया। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय या विश्व न्यायालय के एक फैसले को पढ़ते हुए निकाय के अध्यक्ष नवाफ सलाम ने कहा कि मार्च में अदालत द्वारा आदेशित अनंतिम उपाय अब घिरे फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति को पूरी तरह से संबोधित नहीं करते हैं और एक नए आपातकाल के लिए शर्तें पूरी हो गई हैं। उन्होंने कहा, इज़राइल को रफ़ा में अपना सैन्य आक्रमण तुरंत रोकना चाहिए। प्रिटोरिया द्वारा इज़राइल पर नरसंहार का आरोप लगाने वाले मामले में उपाय के लिए बुलाए जाने के एक सप्ताह बाद अदालत ने इज़राइल को राफा में अपने आक्रमण को रोकने का आदेश देने के दक्षिण अफ्रीकी अनुरोध का समर्थन किया। बाहर, फ़िलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने झंडे लहराए और एक बूम बॉक्स पर रैप बजाया और मुक्त फ़िलिस्तीन का आह्वान किया। इज़राइल ने मामले में नरसंहार के आरोपों को बार-बार निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है।

7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमला किया था अदालत में तर्क दिया है कि गाजा में उसके अभियान आत्मरक्षा के लिए हैं और हमास आतंकवादियों पर लक्षित हैं जिन्होंने 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमला किया था। इज़रायली सरकार के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार के फैसले की पूर्व संध्या पर कहा कि पृथ्वी पर कोई भी ताकत इज़रायल को अपने नागरिकों की रक्षा करने और गाजा में हमास के पीछे जाने से नहीं रोक पाएगी। इज़राइल ने इस महीने दक्षिणी शहर राफा पर अपना हमला शुरू किया, जिससे हजारों फिलिस्तीनियों को उस शहर से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा जो 2.3 मिलियन आबादी में से लगभग आधे लोगों की शरणस्थली बन गया था। गाजा के दक्षिणी किनारे पर स्थित राफा भी सहायता के लिए मुख्य मार्ग रहा है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का कहना है कि इजरायली ऑपरेशन ने एन्क्लेव को काट दिया है और अकाल का खतरा बढ़ गया है। दक्षिण अफ्रीका के वकीलों ने पिछले सप्ताह आईसीजे से आपातकालीन उपाय लागू करने का अनुरोध करते हुए कहा था कि फिलिस्तीनी लोगों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए राफा पर इजरायल के हमलों को रोका जाना चाहिए।

नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

राज्यों के बीच विवादों की सुनवाई के लिए अदालत संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। इसके फैसले अंतिम और बाध्यकारी हैं लेकिन अतीत में इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। न्यायालय के पास कोई प्रवर्तन शक्तियाँ नहीं हैं। इज़राइल के ख़िलाफ़ निर्णय से प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार पर अधिक राजनयिक दबाव बढ़ सकता है। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के मुख्य अभियोजक - हेग स्थित एक अलग अदालत - ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योव गैलेंट के साथ-साथ हमास के नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए एक आवेदन दायर किया है।

हवाई हमले में 1,200 लोग मारे गए थे

पिछले फैसलों में, अदालत ने इज़राइल को फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के कृत्यों को रोकने और गाजा में सहायता के प्रवाह की अनुमति देने का आदेश दिया था, जबकि इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने का आदेश नहीं दिया था। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों द्वारा दक्षिणी इजरायली समुदायों पर हमला करने के बाद इजरायल ने गाजा पर अपना हवाई और जमीनी युद्ध शुरू किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधकों को पकड़ लिया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि हमले में अब तक 35,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए बड़ी खुशखबरी, फिलिपींस ने दी बड़ी राहत

नेशनल डेस्क = फिलीपीन ने हाल ही में कुछ विधायी संशोधन किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप वहां जाकर चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों को लाभ होगा और ऐसे छात्रों की संख्या में 25 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की संभावना है। एक विदेशी शिक्षा सलाहकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फिलीपीन की ओर से कानून में संशोधन करने से विदेशी छात्रों के लिए 'डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की डिग्री हासिल करने के बाद स्थानीय स्तर पर 'प्रैक्टिस करना आसान हो जाएगा। 'ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के निदेशक एवं किंग्स इंटरनेशनल मेडिकल अकादमी के अध्यक्ष कैडविन पिल्लई ने कहा, ''यह संशोधन न केवल भारतीय छात्रों के लिए बल्कि फिलीपीन में पढ़ने वाले सभी विदेशी मेडिकल छात्रों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह हमारे स्नातकों को स्थानीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रैक्टिस करने के लिए एक स्पष्ट मार्ग प्रदान करता है। यह परिवर्तन एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के लिए अग्रणी गंतव्य के रूप में फिलीपीन की स्थिति को मजबूत करेगा। इस कदम से भारत में चिकित्सा की प्रैक्टिस करने का लक्ष्य रखने वाले छात्रों को भी लाभ होगा क्योंकि यह राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) के नियम के अनुरूप है जो विदेश से पढ़ाई के बाद स्वदेश लौटने पर भारतीय स्क्रीनिंग टेस्ट में उपस्थित होने के लिए वैध लाइसेंस रखने को अनिवार्य बनाता है। कैडविन पिल्लई ने पीटीआई-भाषा को बताया कि हर साल लगभग दो हजार भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए फिलीपीन जाते हैं, जिसमें 25-30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि देश प्रतिस्पर्धी लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है, जिसमें ट्यूशन फीस पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है।

सिंगापुर : अदालत ने मानहानि मामले में भारतीय मूल के मंत्रियों को हर्जाना देने का आदेश दिया

इंटरनेशनल डेस्क- सिंगापुर की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री ली सियन लूंग के भाई ली सियन यांग को मानहानि के एक मामले में भारतीय मूल के मंत्रियों के. षण्मुगम और विवियन बालाकृष्णन को दो-दो लाख सिंगापुरी डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया है। ली सियन यांग पर एक समृद्ध उपनगर में सरकारी संपत्तियों के किराये को लेकर भारतीय मूल के मंत्रियों को बदनाम करने का आरोप है। न्यायमूर्ति गोह यिहान ने शुक्रवार को जारी एक फैसले में दोनों मंत्रियों को हर्जाना देने के अपने कारण बताए। इन दोनों मंत्रियों ने ली के खिलाफ अलग-अलग मानहानि के दावे दायर किए थे। ली सियन यांग द्वारा पिछले साल 23 जुलाई को अपने फेसबुक पेज पर की गई टिप्पणियों को लेकर ये मुकदमे शुरू किए गए थे। उन्होंने फेसबुक पर अपनी टिप्पणी में कहा था कि मंत्रियों ने सिंगापुर भूमि प्राधिकरण (एसएलए) को रिडआउट रोड संपत्तियों के किराये में तरजीह देकर भ्रष्ट तरीके से काम किया था।

कमल किशोर का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रतिनिधि के रूप में कार्यकाल हुआ शुरू

इंटरनेशनल डेस्क- आपदा एवं जलवायु जोखिम प्रबंधन से जुड़े शीर्ष भारतीय अधिकारी कमल किशोर ने संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंतोनियो गुतारेस के विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत की है। गुतारेस ने 28 मार्च को किशोर (55) को अपना विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) एवं संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम उपशमन कार्यालय (यूएनडीआरआर) का प्रमुख नियुक्त किया था। किशोर इससे पहले राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से संबद्ध थे। अब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम उपशमन कार्यालय में जापान की मामी मिजूटोरी की जगह ली है। यूएनडीआरआर ने 20 मई को किशोर के आगमन का स्वागत किया जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) (एसआरएसजी) तथा यूएनडीआरआर के प्रमुख के तौर पर अपना कार्यकाल प्रारंभ किया। कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। किशोर ने कहा कि यूएनडीआरआर बढ़ती आशंकाओं के आलोक में आपदा जोखिमों को कम करने के वैश्विक प्रयास को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । उन्होंने कहा कि वह अबतक हुई प्रगति को आगे ले जाने के लिए आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, ''यूएनडीआरआर की महत्वाकांक्षा इस समस्या के पैमाने से मेल खाती है। उन्होंने पूर्व एसआरएसजी मिजूटोरी के नेतृत्व की सराहना की तथा यूएनडीआरआर के निदेशक पाओलो अल्टब्रिटो को उनके आगमन से पूर्व कार्यवाहक एसआरएसजी के रूप में सेवा देने के लिए धन्यवाद दिया। किशोर 2015 से भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। उन्होंने जी 20 की भारत द्वारा अध्यक्षता संभालने के दौरान आपदा जोखिम उपशमन पर जी 20 कार्यबल की अध्यक्षता की थी। एनडीएमए से जुड़ने से पहले किशोर ने जिनेवा, नयी दिल्ली और न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) में करीब 13 साल गुजारे थे। इस दौरान उन्होंने संपोषणीय विकास लक्ष्यों में आपदा लचीलापन विषयों के समावेशन की खातिर तथा यूएनडीपी कार्यक्रम वाले देशों के वास्ते आपदा जोखिम उपशमन की वैश्विक टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय मुहिम की अगुवाई की थी। किशोर ने थाईलैंड के बैंकॉक स्थित 'एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी से शहरी नियोजन, भू एवं आवास विकास में स्नातोकोत्तर (विज्ञान) किया है । उन्होंने रूड़की के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से वास्तुकला इंजीनियरिंग में स्नातक किया था।

क्या चीन ने कर ली जंग की तैयारी?

ताइवान ने अपने तट के पास दर्जनों युद्धक विमान और नौसैन्य पोत देखे

ताइपे- चीन और ताइवान का आपसी विवाद बढ़ता हुआ दिख रहा है। ताइवान ने शुक्रवार कहा कि उसके तट के पास चीन की सेना के व्यापक अभ्यास के दूसरे दिन शुक्रवार को दर्जनों चीनी युद्धक विमान और नौसैन्य पोत देखे गए। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि उसे 49 युद्धक विमान और 19 नौसैन्य पोत के साथ-साथ चीनी तट रक्षक जहाजों की उपस्थिति की जानकारी मिली है। बृहस्पतिवार से शुक्रवार तक 24 घंटे की अवधि में 35 विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य में उड़ान भरी। यह दोनों पक्षों के बीच की वास्तविक सीमा है। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने बृहस्पतिवार को राजधानी ताइपे के दक्षिण में ताओयुआन में एक समुद्री अड्डे का दौरा किया और नाविकों तथा शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से कहा, ''हम बाहरी चुनौतियों और खतरों का सामना कर रहे हैं। हम स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों को बनाए रखेंगे।'' इससे पहले राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने सोमवार को अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि ताइवान ''एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र है जिसमें संप्रभुता लोगों के हाथों में है।'' उन्होंने साथ ही बीजिंग से अपनी सैन्य धमकी को रोकने को कहा था। वहीं चीन की सेना ने कहा कि ताइवान के आसपास उसका दो दिवसीय अभ्यास स्वतंत्रता चाहने वाली अलगाववादी ताकतों के लिए सजा के समान है। चीन में ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता चेन बिनहुआ ने बृहस्पतिवार रात एक बयान में कहा, ''ताइवान के नेता ने पदभार संभालते ही एक-चीन सिद्धांत को चुनौती दी।'' 'एक-चीन सिद्धांत' के अनुसार चीन केवल एक देश है और कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के तहत ताइवान भी चीन का ही हिस्सा है। चीन का मानना है कि ताइवान को मुख्य भूमि के साथ जोड़ा जाना चाहिए भले ही इसके लिए शक्ति प्रयोग करना पड़े।

चारधाम यात्रा शुरू होने के पखवाड़े भर में 50 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत

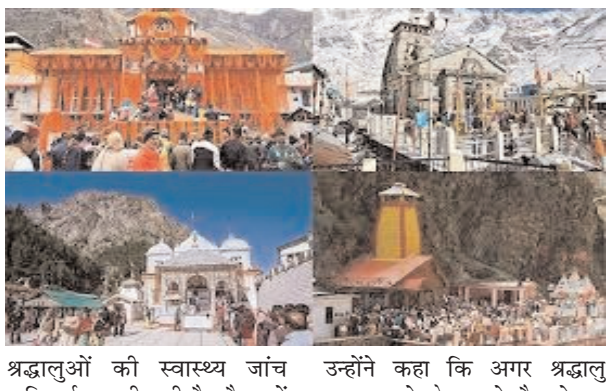

देहरादून: 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा के पहले पखवाड़े में यात्रा मार्ग पर 50 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि चारधाम की यात्रा पर आए 52 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो चुकी है और इनमें से ज्यादातर की मौत हृदयाघात से हुई। उन्होंने बताया कि तीन श्रद्धालुओं की मौत गंगोत्री में, 12 की यमुनोत्री में, 14 की बदरीनाथ और 23 की केदारनाथ में मृत्यु हुई। पांडेय ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर 50 वर्ष की उम्र से ज्यादा के श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच अनिवार्य कर दी गयी है और उन्हें सलाह दी जा रही है कि अगर स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर परेशानी हो तो वे यात्रा न करें। उन्होंने कहा कि अगर श्रद्धालु यात्रा करने के अपने फैसले पर कायम रहते हैं तो उन्हें एक फॉर्म भरवाकर आगे जाने दिया जा रहा है।

एक्सीडेंट में 16 लोगों की जान लेने वाले भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर को कनाडा करेगा डिपोर्ट

नेशनल डेस्क- एक भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर, जिसने 2018 में कनाडा में एक भीषण बस दुर्घटना का कारण बना, जिसमें जूनियर हॉकी टीम के 16 सदस्यों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए, को शुक्रवार को भारत डिपोर्ट करने का आदेश दिया गया। कैलगरी का एक ट्रक ड्राइवर, जसकीरत सिंह सिद्धू, सस्केचेवान प्रांत में टिस्डेल के पास एक ग्रामीण चौराहे पर स्टॉप साइन को तोड़ते हुए हम्बोल्ट ब्रोंकोस जूनियर हॉकी टीम की बस के रास्ते में आ गया। 6 अप्रैल, 2018 को हुए हादसे में बस में सवार 16 लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यह फैसला शुक्रवार को कैलगरी में आव्रजन और शरणार्थी बोर्ड की सुनवाई में सिद्धू के लिए आया। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धू के वकील माइकल ग्रीन ने कहा है कि यह निर्णय पहले से तय था, क्योंकि सिद्धू को निर्वासित करने के लिए केवल इस बात का सबूत चाहिए कि वह कनाडाई नागरिक नहीं है और उसने एक गंभीर अपराध किया है। सिद्धू भारत से हैं और उन्हें कनाडा में स्थायी निवासी का दर्जा प्राप्त है। कनाडाई प्रेस समाचार एजेंसी ने ग्रीन के हवाले से कहा, यह काफी खुला और बंद है। प्रतिवाद करने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए वे दिन की तरह स्पष्ट हैं। ये सुनवाइयां आम तौर पर विभाजित-विभाजित की जाती हैं। 2018 बस दुर्घटना में खतरनाक ड्राइविंग के लिए आठ साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें पैरोल दी गई थी। सिद्धू के वकील ने कहा है कि अभी भी कई अन्य कानूनी प्रक्रियाएं बाकी हैं और निर्वासन प्रक्रिया में महीनों या साल लग सकते हैं। दिसंबर में, संघीय अदालत ने सिद्धू के वकील के आवेदनों को खारिज कर दिया, जिन्होंने तर्क दिया था कि सीमा अधिकारियों ने सिद्धू के पहले के साफ आपराधिक रिकॉर्ड और पश्चाताप पर विचार नहीं किया था। वह चाहते थे कि अदालत सीमा एजेंसी को दूसरी समीक्षा करने का आदेश दे। ग्रीन ने शुक्रवार की सुनवाई से पहले कहा, यह पूरी प्रक्रिया के दुख का हिस्सा है। हम ऐसी स्थिति में रह गए हैं जहां स्थायी निवासियों के पास अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं है। हमारा एकमात्र तंत्र यह है कि उसे निर्वासित करने का आदेश दिए जाने के बाद, हम उनसे मानवीय आधार पर उसका (स्थायी निवासी) दर्जा वापस देने के लिए कहेंगे। लेकिन इस बीच, उसकी कोई हैसियत नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रीन ने कहा कि सुनवाई खत्म होने के बाद सिद्धू को तुरंत हिरासत में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हटाने से पहले जोखिम मूल्यांकन किया जाना चाहिए और स्थायी निवासी दर्जे के उनके अनुरोध पर विचार होने तक सिद्धू स्थगन की मांग भी कर सकते हैं। ग्रीन ने कहा, इस प्रक्रिया में महीनों या साल लग सकते हैं। दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवार के कई सदस्यों ने कहा है कि वे सिद्धू को निर्वासित करना चाहते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569